पटना ● गुरुवार, 11 जुलाई 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः180 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय .. 3 www. bordernewsmirror.com वेब सीरीज मिक्सचर में... 8

कश्मीर में मॉनसून से पहले घुसपैठ बनी बड़ी चुनौती

लॉन्चिंग पैड पर 60-70 आतंकी ऐक्टिव, बढ़ा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉनसून से पहले जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने में सफल हुए आतंकी अब बड़ी चुनौती बन गए हैं। एजेंसियां मान रही हैं कि जम्मू रीजन में हमलों में तेजी और सेना सहित सुरक्षा बलों को निशाने पर लेने वाले ज्यादातर आतंकी विदेशी हैं। एजेंसियों के अनुसार आतंकियों का प्रशिक्षण सीमापार हुआ है और ये जम्मू में स्थानीय मददगारों की सहायता से हमलों को अंजाम दे रहे हैं। हालांकि घुसपैठरोधी तंत्र-एंटी इंफिल्ट्रेशन ग्रिड की मजबूती के बाद भी सीमापार से आतंकियों की घुसपैठ और हमलों में तेजी से सुरक्षा बल और एजेंसियां हैरान हैं। इसे स्थानीय स्तर पर खुफिया तंत्र की कमजोरी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। साथ ही किन नए इनाकों और तरीकों का इस्तेमाल घुसपैठ के लिए किया जा रहा है यह भी सुरक्षा तंत्र के लिए बड़ी चुनौती है। सूत्रों ने कहा कि आतंकियों ने कश्मीर में सख्ती के

बाद से जम्मू में अपना तंत्र मजबूत करना शुरू कर दिया था। अगर समय रहते जम्मू को लेकर भी खुफिया जानकारी सटीक तरीके से मिलती तो हमलों को रोकना संभव हो सकता था। सुरक्षाबलों का मानना है कि कट्टर पाकिस्तानी आतंकवादियों से खतरा अधिक गंभीर है। इनकी वजह से ही जम्मू में हाल के दिनों में आतंकी हमले तेजी से बढ़े हैं। कई बड़े हमले जम्मू में हुए हैं। सूत्रों ने कहा कि नियंत्रण रेखा के पार लॉन्च पैड पर लगभग 60 से 70 आतंकवादी एक्टिव हैं। गौरतलब है कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, पाकिस्तान स्थित आतंकी समूहों की रणनीति शिफ्ट हुई है। पिछले 2-3 सालों से आतंकवादी जम्मू में रुक-रुककर हमले कर रहे हैं। विशेष रूप से 2023 में 43 आतंकवादी हमले और 2024 में अब तक 25 हमले हुए है। जम्मू क्षेत्र के विशाल और जटिल इलाके का उपयोग पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों द्वारा अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) और एलओसी के पार सशस्त्र आतंकवादियों को भेजने के लिए किया जाता है। ये कभी-कभी सुरंगों का भी उपयोग करते हैं। ड्रोन का इस्तेमाल कर हथियार भेजे जाते हैं। आतंकवादी नागरिकों के रूप में भी प्रवेश करते है और स्थानीय गाइडों की सहायता से छिपने के जगह और हथियार इकट्ठा करते हैं।

गाजा के स्कूल पर एयरस्ट्राइक

29 की मौत

तेलअवीव (एजेंसी)। इजराइली सेना ने मंगलवार को गाजा में एक स्कूल पर एयरस्ट्राइक की। जिसमें 29 लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक ये एक हफ्ते में ये दूसरा हमला है, जिसमें स्कूल को निशाना बनाया गया है। जिस स्कूल पर अटैक किया गया वहां शरणार्थियों को रखा गया था। इजराइल पिछले 4 दिनों से ऐसी जगहों पर हमला कर रहा है जहां शरणार्थियों को रखा गया है। अब इजराइली सेना ने खान यूनिस को खाली करने का आदेश दिया है।

तलाकशुदा मुस्लिम महिला भी होगी

पति से गुजारा भत्ता लेने की हकदार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-वह सीआरपीसी के सेक्शन 125 के तहत दावा कर सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अपने पति से भरण-पोषण की हकदार है। इसके लिए वह याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने एक मुस्लिम युवक की याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 धर्मनिरपेक्ष कानून पर हावी नहीं होगा। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा- हम इस निष्कर्ष के साथ अपील खारिज कर रहे हैं कि सीआरपीसी की धारा 125 सभी महिलाओं पर लागू होगी, न कि केवल विवाहित महिलाओं पर। बेंच ने पूछा कि क्या याचिकाकर्ता ने इद्दत अवधि के दौरान पत्नी को कुछ भुगतान किया था। इस पर याचिकाकर्ता ने कहा- 15 हजार रुपए का ड्राफ्ट ऑफर किया था, लेकिन पत्नी ने नहीं लिया। तलाक के बाद इद्दत वह अवधि होती है, जब पत्नी को किसी से शादी करने या किसी के साथ रिश्ते बनाने की इजाजत नहीं होती। इस ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि सीआरपीसी की धारा 125 सभी पर लागू होती है, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो. हालांकि, मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 द्वारा इसे कमजोर कर दिया गया, जिसमें कहा गया कि मुस्लिम महिला केवल इद्दत के दौरान (तलाक के 90 दिन बाद) ही गुजारा भत्ता मांग सकती है. साल 2001 में सुप्रीम कोर्ट ने 1986 के अधिनियम की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा, लेकिन फैसला सुनाया कि तलाकशुदा पत्नी को गुजारा भत्ता देना पुरुष का दायित्व है।

ऑस्ट्रिया में पीएम मोदी का सेरेमोनियल वेलकम

● चांसलर बोले-भारत की बात अब पूरी दुनिया सुनती है ● मोदी ने कहा-यूएन में सुधार हो,की आतंकवाद की निंदा

● स्टार्टअप ब्रिज को मिलेगी रफ्तार

वियना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी अपने 2 दिवसीय दौरे पर ऑस्ट्रिया में हैं। रात में गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत के बाद मोदी सुबह ऑस्ट्रिया के पीएम आवास पहुंचे। यहां उनका सेरेमोनियल वेलकम हुआ। मोदी ने विजिटर्स बुक में दस्तखत किए। इस दौरान ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर उनके साथ रहे। दोनों ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान ऑस्ट्रिया के चांसलर ने कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है जिसकी आवाज पूरी दुनिया में सुनी जाती है। भारत का भरोसेमंद पार्टनर होने के साथ ऑस्ट्रिया भी यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण हल चाहता है। वहीं, मोदी ने इस कहा कि यूक्रेन संकट का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं हो सकता। उन्होंने आतंकवाद की भी कड़ी निंदा की। पीएम मोदी ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा- मुझे खुशी है कि तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही ऑस्ट्रिया आने का अवसर मिला। मेरी ये यात्रा ऐतिहासिक और विशेष दोनों है। 41 साल के बाद किसी भारतीय पीएम ने यहां का दौरा किया। ये सुखद संयोग है कि यात्रा उस समय हो रही है जब हमारे आपसी संबंधों को 75 साल पूरे हुए। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंध और गहरे होंगे। वहीं भारत-ऑस्ट्रिया स्टार्टअप ब्रिज को और भी रफ्तार मिलने की संभावना है। स्टार्टअप ब्रिज को इसी साल फरवरी में दोनों देशों ने ऑस्ट्रिया के श्रम और अर्थव्यवस्था मंत्री मार्टिन मार्टिन कोचर की भारत यात्रा के दौरान नई दिल्ली में शुरू किया था।

शहीद विनोद सिंह का ऋषिकेश में अंतिम संस्कार

देहरादून (एजेंसी)। कठुआ आतंकी हमले में आतंकी हमले में शहीद हुए उत्तराखंड के 5 जवानों का सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। शहीद हुए लांस नायक विनोद सिंह भंडारी को पैतृक गांव अठुरवाला में अंतिम विदाई दी गई। इस दौरान माहौल गमगीन हो गया। लोगों ने नम आंखों से उन्हें

विदाई दी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शहीद विनोद सिंह को श्रद्धांजलि दी। साथ ही परिवार को भी सांत्वना दी। शहीद के पार्थिव शरीर को देखकर पत्नी बेसुध हो गई। लोगों ने किसी तरह ढांढस बंधाया। जब तक सूरज चांद रहेगा, विनोद तेरा नाम रहेगा के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। विनोद सिंह भंडारी का अंतिम संस्कार पूरे सैन्य सम्मान के साथ ऋषिकेश के पूर्णानंद घाट पर किया गया। कमल सिंह (22) गढ़वाल राइफल्स में तैनात थे।

प्रोजेक्ट मैनेजर के पैर छूने बढ़े नीतिश अफसर ने रोका

पटना (एजेंसी)। पटना में सीएम नीतिश कुमार बुधवार को जेपी गंगा पथ के दूसरे फेज का लोकार्पण करने पहुंचे थे। इस दौरान सिक्स लेन के प्रोजेक्ट में लेटलतीफी को लेकर वे मैनेजर श्रीनाथ को फटकार लगाने लगे। फटकार लगाते-लगाते उन्होंने कहा कि आप कहिए तो मैं आपके पैर छू लेता हूं, लेकिन ये काम जल्दी करवा दीजिए। सीएम जैसे ही पैर छूने के लिए आगे बढ़े पथ निर्माण विभाग के एमडी प्रत्यय अमृत हाथ

जोड़कर खड़े हो गए। उन्होंने मुख्यमंत्री से निवेदन किया कि आप ऐसा मत कीजिए हम काम तेजी से करवा रहे हैं। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने भी मुख्यमंत्री का हाथ पकड़ लिया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है कि पूरे विश्व में इतना असहाय, बेबस और लाचार सीएम नहीं होगा। थानेदार से लेकर अधिकारियों और यहां तक कि ठेकेदार के निजी कर्मचारी के सामने बात-बात पर हाथ जोड़ने और पैर पड़ने की बात करता हो। 19 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के दौरे पर थे। राजगीर में नीतिश प्रधानमंत्री मोदी का हाथ पकड़कर कुछ देखने लगे।

भारत ने जिम्बाब्वे को 23 रन से दी पटखनी

● 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 2-1 की बढ़त ● शुभमन गिल की फिफ्टी, सुंदर को 3 विकेट

हरारे (एजेंसी)। भारत ने टी-20 सीरीज के तीसरे मैच में जिम्बाब्वे को 23 रन से हरा दिया है। इस जीत से टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का चौथा मुकाबला 13 जुलाई को खेला जाएगा। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में बुधवार को टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया और 20 ओवर में 4 विकेट पर 182 रन बनाए। 183 रन का टारगेट चेज कर रही जिम्बाब्वे 20 ओवर में 6 विकेट पर 159 रन ही बना सकी। टीम ने 39 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। यहां से डायन मायर्स ने 49 बॉल पर नाबाद 65 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने क्लाइव मदांदे के साथ छठे विकेट के लिए 77 रनों की साझेदारी करके उम्मीदें जगाई, लेकिन अपनी टीम को जिता नहीं सके। भारतीय टीम की ओर से वॉशिंगटन सुंदर ने 3 विकेट लिए। जबकि आवेश खान को 2 विकेट लिए। भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने 50 बॉल पर 66 रन की पारी खेली। उन्होंने गिल ने इस सीरीज में पहली फिफ्टी लगाई। ऋतुराज गायकवाड ने 49 रन बनाए और एक रन से फिफ्टी चूक गए। पिछले मैच के शतकवीर अभिषेक शर्मा 10 रन की बना सके।

सीबीआई जांच के लिए राज्य सरकार की सहमति जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र को दिया बड़ा झटका,बंगाल सरकार की याचिका को कहा सही

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सीबीआई जांच के खिलाफ ममता सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 1 मई को याचिका लगाई थी। कोर्ट ने 8 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज यानी 10 जुलाई को कोर्ट ने याचिका को सुनवाई योग्य माना। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने केंद्र सरकार की उस दलील को खारिज कर दिया कि, यह अर्जी सुनवाई योग्य नहीं है। कोर्ट ने कहा- बंगाल सरकार ने कानूनी पहलू उठाया है जिस पर विचार किया जाना चाहिए।

कोर्ट इस मामले पर 13 अगस्त को अगली सुनवाई करेगा। इसके साथ ही बेंच ने कहा कि, जब राज्य सरकार ने सीबीआई जांच के लिए दी गई अपनी परमीशन को वापस ले लिया तो फिर एजेंसी वहां के मामलों में केस क्यों दर्ज कर रही है। बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में संविधान के आर्टिकल 131 का हवाला देते हुए याचिका दाखिल की है। इसमें सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र का जिक्र है।

इसके मुताबिक केंद्र और राज्यों के बीच के मामलों की सुनवाई सिर्फ सुप्रीम कोर्ट में की जाती है। पश्चिम बंगाल और केंद्र के बीच ताजा विवाद संदेशखाली केस के बाद शुरू हुआ। ईडी ने 5 जनवरी को बंगाल के संदेशखाली में टीएमसी नेता शेख शाहजहां के घर छापा मारा था। इस दौरान अधिकारियों पर पर टीएमसी समर्थकों ने हमला किया था।

एचआईवी की चपेट में 828 छात्र, 47 छात्रों की हुई मौत

त्रिपुरा में हैरान करने वाला मामला,डरा रहा यह आंकड़ा

अगरतला (एजेंसी)। करीब 35 लाख की आबादी वाला त्रिपुरा के युवा नशे की गिरफ्त में फंसते जा रहे हैं। नशे के कारण नॉर्थ-ईस्ट के राज्य त्रिपुरा में एचआईवी भी तेजी से पैर पसार रहा है। चिंताजनक हाल यह है कि इसकी चपेट में स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाले युवा आ रहे हैं। त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (टीएसएसीएस) के आंकड़ों के अनुसार, अभी तक राज्य में 828 छात्र एचआईवी पॉजीटिव पाए गए हैं जबकि 47 छात्रों की मौत हो चुकी है। एचआईवी ग्रस्त 572 छात्र अभी भी जिंदा है और इनमें से कई हायर एजुकेशन के लिए त्रिपुरा से बाहर चले गए हैं। टीएसएसीएस का एक खुलासा और भी चौंकाने वाला है। सोसायटी के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक राज्य के 220 स्कूल और 24 ऐसे कॉलेजों की पहचान की गई है, जहां छात्र

नशीली दवा लेते हैं। त्रिपुरा में एचआईवी के आंकड़े डराने वाले हैं। राज्य के नौजवान न सिर्फ ड्रग्स ले रहे हैं बल्कि नशे की चाहत में एचआईवी ग्रस्त हो रहे हैं।

अमीर परिवार के बच्चे आ रहे चपेट में

अभी तक आए मामलों से पता चला कि जो छात्र एचआईवी की चपेट में आए, उनमें से अधिकतर अमीर परिवारों से हैं। उनके माता और पिता नौकरी करते हैं। ऐसे छात्रों को ड्रग्स खरीदने के लिए पैसे की कमी नहीं होती है। बता दें कि कुछ दिन पहले त्रिपुरा हाई कोर्ट ने भी ऐसे एक मामले की सुनवाई करते हुए एनडीपीएस अधिनियम के तहत पकड़े गए आरोपियों के माता-पिता घरवालों को सामुदायिक सेवा करने का आदेश दिया था। साथ ही उनसे गांव में एक महीने तक नशा विरोधी अभियान चलाने को कहा।

मुंबई हिट-एंड-रन के आरोपी को मां-बहनों ने छिपाया था

● एक्सीडेंट के बाद गर्लफ्रेंड के घर गया था,7 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई हिट-एंड-रन केस के आरोपी और शिवसेना नेता राजेश शाह के बेटे मिहिर शाह को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। उसे 7 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। घटना के तीसरे दिन, करीब 60 घंटे बाद पुलिस उसे पकड़ने में कामयाब हुई। मिहिर रविवार को बीएमडब्ल्यू से कावेरी नखवा नाम की महिला को कुचलने के बाद से फरार था। सूत्रों ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद मिहिर ने सबसे पहले अपने पिता को फोन किया। उन्होंने ही उसे भागने के लिए कहा था। इसके बाद मिहिर बीएमडब्ल्यू कार और ड्राइवर को बांद्रा के कला नगर के पास छोड़कर रिक्शा से गोरेगांव में अपनी गर्लफ्रेंड के घर गया। गर्लफ्रेंड ने मिहिर की बहन को फोन पर घटना की जानकारी दी। इसके बाद मिहिर की बहन उसकी गर्लफ्रेंड के घर आई और भाई को लेकर बोरीवली स्थित अपने घर चली गई। वहां से राजेश शाह की पत्नी मीना और

दोनों बेटियां (पूजा और किंजल) मिहिर शाह और उसके दोस्त अवदीप को लेकर मुंबई से करीब 70 किमी दूर शाहपुर में एक रिजॉर्ट के लिए रवाना हुए। इधर, पुलिस मिहिर शाह, उसके परिवार, गर्लफ्रेंड और करीबी दोस्तों के फोन लगातार ट्रैक कर रही थी।

गोपालगंज, बगहा, बेतिया में बाढ़ जैसे हालात भागलपुर में कोसी के कटाव में बहे घर

आकाशीय बिजली से 4 मौतें, 35 जिलों में बारिश का अलर्ट

पटना, एजेंसी। बिहार के साथ साथ नेपाल में लगातार बारिश हो रही है। इससे गंडक, कोसी, बागमती, कमला समेत कई नदियां उफान पर हैं। इससे कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। गोपालगंज, बेतिया और बगहा में बाढ़ जैसे हालात हैं। लोग अपने घर छोड़ सुरक्षित जगहों पर जा रहे हैं।

भागलपुर में कोसी के कटाव में 9 से ज्यादा घर पानी में समा चुके हैं। गोपालगंज में वाल्मीकि बराज से छोड़े पानी से आसपास के कई गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। 6 प्रखंडों की 43 पंचायतों के 22 गांव और टोलो में पानी फैल चुका है। लोग पलायन कर रहे हैं। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 35 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें 18 जिलों में भारी बारिश और 17 में हल्की बारिश की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग की माने तो प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ गया है।

अगले 24 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। लोगों को उमस भरी गर्मी महसूस होगी। आकाशीय बिजली से पिछले 24 घंटों में 4 लोगों की मौत और 6 लोग घायल हुए हैं।

पटना में गंगा घाटों पर जलस्तर में तेजी से हो रही वृद्धि

पटना में गंगा घाटों पर जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है। गांधी घाट पर दर्ज आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार की सुबह 3 सेंटीमीटर का इजाफा हुआ है। पिछले 6 घंटे से 2 से 3 सेंटीमीटर की रफ्तार से वृद्धि दर्ज की जा रही है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार सोमवार के दिन गंगा का जलस्तर 45.730 मीटर था, जो अब बढ़कर 46.470 मीटर हो गया है। हालांकि, अभी भी वॉर्निंग लेवल तक पहुंचने में 1 मीटर और खतरे के निशान तक पहुंचने में 2 मीटर का फासला है।

नवगछिया में कोसी का रौद्र रूप, 9 घर विलीन

पुलिस जिला नवगछिया में कोसी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। कोसी के भीषण कटाव ने पिछले 24 घंटे में नौ घर को अपने आगोश में ले लिया है। इलाके में दहशत का माहौल है। कटाव के डर से सिंहकुंड गांव के लोग सुरक्षित जगहों पर पलायन करने लगे हैं। इधर, कोसी नदी का कटाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। अभी और दर्जनों घरों पर संकट बना हुआ है।जिले में गंगा और कोसी नदी के जलस्तर में वृद्धि का सिलसिला लगातार जारी है। इस्माइलपुर विंद टोली में पिछले 12 घंटे में गंगा नदी के जलस्तर में 34घ्व की वृद्धि हुई है। गंगा नदी 28.32 मी. पर बह रही है। हालांकि खतरे का निशान 30.48 मीटर है। फिलहाल स्थिति सामान्य बताई जा रही है। मदरोनी में कोसी नदी के जलस्तर में पिछले 12 घंटे में 11घ्व की वृद्धि हुई है। वहीं जिनके घर कोसी में विलीन हो गए। वह खुले आसमान के नीचे जीने को मजबूर हैं। आलम यह है कि जिला प्रशासन की ओर से सिर्फ प्लास्टिक दिया गया है। ग्रामीण मिराज जवाहर यादव ने बताया कि इसके अलावा कोई सुविधा हम लोगों को नहीं मिली है, जिसके कारण लोगों में भारी आक्रोश है। नवगछिया के कई बाढ़ ग्रस्त इलाके में बचाव कार्य भी अभी शुरू नहीं हुआ है। अंचलाधिकारी ने बताया कि विस्थापित परिवारों के लिए हर संभव मदद किया जाएगा।

24 घंटे में आकाशीय बिजली से 4 लोगों की मौत, 6 घायल

भोजपुर जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मंगलवार को ठनका गिरने से महिला समेत दो की मौत हो गई। वहीं, एक महिला घायल हो गई। मृतक की पहचान सिकरहटा थाना क्षेत्र के चंदा गांव निवासी राजवीर पासवान (28) के रूप में की गई है। दूसरे मृतक की पहचान जगदीशपुर थाना क्षेत्र के मुंगौल गांव निवासी जगदीश यादव की पत्नी देवंती देवी (62) के रूप में की गई है। घायल महिला उसी गांव के निवासी कपिल सिंह की पत्नी शैल कुमारी देवी (50) हैं। रोहतास में बारिश के दौरान एक घर के आंगन में आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के 5 लोग घायल हो गए। घायलों में 2 महिलाएं, 2 लड़कियां और 12 साल का बच्चा शामिल हैं। घटना चेनारी प्रखंड क्षेत्र के रामगढ़ की है। वहीं, बक्सर के डुमरांव में ठनका गिरने से दो पशुओं की मौत हो गई। भोजपुर जिले में आकाशीय बिजली से इंटर की छात्राओं की मौत हुई है। घटना तीयर थाना क्षेत्र के उत्तरदाहा गांव स्थित बधार की है। विश्वनाथ यादव की बेटी पूजा कुमार (19) धान रोपने गई थी। तभी बिजली गिर गई। दूसरी घटना तीयर थाना क्षेत्र के विक्रमपुर गांव स्थित बधार की है, जहां ठनका गिरने से भेड़ चरा रहे राज कुमार पाल (20) की मौके पर ही मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

एफएसएल की टीम पहुंची घुज्जी गांव, जुटाया साक्ष्य

गया, एजेंसी। गया से आई एफएसएल की टीम ने सोमवार को शेरघाटी थाना क्षेत्र के घुज्जी गांव में एक युवक की मौत के बाद घटनास्थल से साक्ष्य इकट्ठा किया है। युवक की मौत रविवार को हुई थी। आनंद किशोर पासवान नामक युवक के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सोमवार को ही गया भेज दिया था। शेरघाटी के थानेदार अजीत कुमार ने बताया कि एफएसएल की टीम ने घुज्जी गांव में घटनास्थल के आसपास से साक्ष्य और तस्वीरें इकट्ठा की हैं। एफएसएल टीम का नेतृत्व वरीय वैज्ञानिक मनोज कुमार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि युवक की मौत को लेकर संशय बना हुआ है। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिली है। युवक की मौत के कारणों को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं है। उधर परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने युवक की मौत के मामले में यूडी केस दर्ज किया है। घटनास्थल शेरघाटी थाना से 8 किलोमीटर दूर है।

जंतु विज्ञान विभाग में सेमिनार 16 को

दरभंगा, एजेंसी। ललामिवि के स्नातकोत्तर जंतु विज्ञान विभाग में 16 जुलाई को ओरो डेंटल प्रॉब्लम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया जायेगा। डॉ. प्रभात दास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सेमिनार में मुख्य वक्ता डीएमसीएच के पूर्व दंत विभागाध्यक्ष डॉ. बीबी वर्मा होंगे। जंतु विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अजय नाथ झा की अध्यक्षता में मंगलवार को विभाग में आयोजित बैठक में आयोजन की तैयारियों की समीक्षा हुई। उन्होंने बताया कि सेमिनार में सभी पीजी विभागों में अध्ययनरत विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। बैठक में फाउंडेशन के सचिव मुकेश झा, विभागीय शिक्षक प्रो. एस वानिक, डॉ. पारूल बनर्जी, डॉ. अंतनु बनर्जी आदि मौजूद थे।

आइसा ने निकाला प्रतिवाद मार्च

दरभंगा, एजेंसी। नीट की परीक्षा दोबारा आयोजित करवाने के लिए आइसा के राज्यव्यापी छात्र हड़ताल अभियान के अन्तर्गत आइसा जिला इकाई ने दोनार चौक से नाका पांच तक प्रतिवाद मार्च किया। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग तथा नीट परीक्षा को फिर से आयोजित कराने के लिए जमकर नारेबाजी हुई। नाका पांच पर जिला सचिव मयंक कुमार ने कहा कि सरकार धांधलीरहित नीट परीक्षा के आयोजन की जगह इस मुद्दे को लेकर आंदोलनरत छात्रों का दमन करने में लगी है। जिलाध्यक्ष शम्स तबरेज ने कहा कि पेपर लीक के षड्यंत्र में शामिल सभी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। मौके पर सुभाष कुमार, मो. पीटर, दीपक, बिपिन कुमार, रंजीत, गोलू कुमार, ऋतिक, सचिन सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सर्जना निखार शिविर की देशभर में होती है चर्चा : प्रो. पुतुल

दरभंगा, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जिला इकाई के तत्वावधान में संगठन का 76वां स्थापना दिवस सह राष्ट्रीय छात्र दिवस मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। जिला संयोजक वागीश झा ने मिश्रटोला स्थित कार्यालय में झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर एमआरएम कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. पुतुल सिंह ने कहा कि अभाविप के विभिन्न कार्यक्रमों से देशभर में संगठन का मान बढ़ा है। यहां ज्ञान के साथ युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा संग राष्ट्र पुनर्निर्माण करना लक्ष्य है। अभाविप की जिला इकाई का सर्जना निखार शिविर पूरे देशभर में चर्चा का विषय बना रहता है। विभाग संयोजक राहुल सिंह ने कहा कि जिंदगी में सही सोच, सही संघर्ष को लेकर आगे बढ़ना विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता का लक्ष्य रहता है। जिला संयोजक वागीश झा ने कहा कि हर विद्यार्थी को अपने अध्ययन काल में एक बार परिषद की गतिविधियों से अवश्य जुड़ना चाहिए। नगर सह मंत्री नीली रानी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से ही व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की परिकल्पना के साथ आगे बढ़ा है। संगठन का 76 वर्ष पूरा होना गौरव का विषय है। धन्यवाद ज्ञापन खुशी कुमारी ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी नवनीत रंजन, विकास झा, एसएफडी संयोजक शशि भूषण यादव, शाश्वत स्नेहिल, मनोहर कुमार, मृत्युंजय कुमार, प्रियांशु कुमार, निलेश कुमार, मानस झा, विभाग संयोजक राहुल सिंह, चंद्रकांत, सुमेधा श्रीवास्तव, सोनम कुमारी, चंद्रकांत झा, निलेश कुमार, रूपेश कुमार, संजीव कुमार, अंकित गुप्ता सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नालंदा में मंदिर से जेवरात चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार

सीसीटीवी में कैद हुई थी चोर की हरकत, चोरी के जेवरात के साथ धराया आरोपी

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के हरनौत बाजार स्थित आराधना दुर्गा मंदिर में 7 जून को अज्ञात चोर के द्वारा जेवरात की चोरी कर ली गई थी। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधकर्मी चेरो ओपी क्षेत्र के चेरो निवासी अमिरक यादव का पुत्र नीतीश कुमार है। सदर डीएसपी 2 हरनौत संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि हरनौत बाजार स्थित आराधना दुर्गा मंदिर के पुजारी परमानंद पांडे के द्वारा हरनौत थाना को सूचना दी गई की 7 जून की सुबह 6:00 बजे श्री श्री आराधना दुर्गा मंदिर की प्रतिमा से कीमती जेवर अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ली गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हरनौत थाना अध्यक्ष मोहम्मद अबू तालिब अंसारी के नेतृत्व में घटनास्थल का निरीक्षण किया गया एवं कांड में संलिप्त चोर के विरुद्ध जांच शुरू की गई। 24 घंटे के अंदर कांड में संलिप्त चोर को चोरी के जेवरात के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

वायरल हुआ था वीडियो

दरअसल 7 जून की सुबह सोशल मीडिया पर मंदिर के अंदर प्रवेश कर चोर के द्वारा प्रतिमा से सोने का नथिया टीका चोरी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें स्पष्ट रूप से दिख रहा था कि किस प्रकार एक चोर मंदिर के अंदर प्रवेश करता है और 10 सेकंड में ही चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो जाता है। इसके बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आती है। पिछले महीने 19 जून को भी चोरों के द्वारा मंदिर के अंदर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। छापेमारी टीम में हरनौत थाना अध्यक्ष मोहम्मद अबू तालीम अंसारी, अपर थाना अध्यक्ष मिलन कुमार राय, प्रशिक्षु दारोगा ऋषिकेश कुमार, सन्नी कुमार, अनिकेश कुमार बिट्टू, जमादार वृजेंद्र कुमार मांझी एवं हरनौत थाना की शस्त्र पुलिस बल शामिल रही।

औरंगाबाद में 4 सड़क हादसों में 8 घायल: 5 लोगों की हालत गंभीर, 3 लोग रेफर, दो बाइक के बीच हुई टक्कर

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद में मंगलवार की शाम से लेकर देर रात तक अलग-अलग 4 जगहों पर सड़क दुर्घटना में 8 लोग घायल हो गए, जिसमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। पहली घटना देव थाना क्षेत्र के धर्मकाटा की समीप की है। जहां दो बाइक में टक्कर हो गई। जिसमें देव थाना क्षेत्र के कुसी गांव निवासी आंनद पासवान,वरुण कुमार, उपेंद्र पासवान घायल हो गए। घायल उपेंद्र पासवान को औरंगाबाद सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार उपरांत गया मगध मेडिकल रेफर कर दिया गया। दुसरी घटना औरंगाबाद ओवर ब्रिज के समीप की है। अज्ञात चारपहिया वाहन की चपेट में आ जाने से नगर थाना क्षेत्र सनतहुआ गांव निवासी मनीष कुमार घायल हो गए। मनीष को स्थानीय लोगों ने बेहोशी अवस्था में सदर अस्पताल भर्ती करवाया। इलाज के कुछ देर बाद मनीष होश में आए। मनीष ने बताया कि औरंगाबाद से पैदल घर जा रहे थे की ओवर ब्रिज के समीप अज्ञात बेलोरो गाड़ी ने टक्कर मार दिया, जिसके बाद मुझे कुछ याद नहीं है। तीसरी घटना नगर थाना क्षेत्र के पिपरडिह गांव के समीप की है, जिसमें दो मोटरसाइकिल की आपस में टक्कर हो गई। इस घटना में मुफस्सिल थाना क्षेत्र दगपा गांव निवासी भोला सिंह बुरी तरह से ज़ख्मी हो गए। जिन्हें स्थानीय राहगीरों द्वारा औरंगाबाद सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए गया मगध मेडिकल रेफर कर दिया गया लेकिन परिजन वाराणसी ट्रामा सेंटर इलाज के लिए लेकर गए। घटना की जानकारी मिलते ही रात्रि में नगर थाना के एस आई सच्चितानंद राय दल बल के साथ सदर अस्पताल आए और घटना की जानकारी लिया। भोला सिंह की स्थिति काफी गंभीर है। चौथी सड़क दुर्घटना में अंबा थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव निवासी दशरथ पाल,शंकर साव, जितेंद्र साव घायल हो गए। घायल के परिजनों ने बताया की तीनों टेम्पु के माध्यम से औरंगाबाद से अपने गांव जा रहे थे की औरंगाबाद की कुछ दुरी पर ही सामने से आ रही ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी जिससे तीनों घायल हो गए। घायल आनंद पाल को बेहतर इलाज के लिए रात्रि में ही गया मगध मेडिकल रेफर कर दिया गया।

शहरी क्षेत्र से अजगर को किया रेस्क्यू:गंडक नदी के रास्ते रिहायशी इलाके में पहुंचे रहे जंगली जानवर

वन विभाग को दी गई सूचना

बगहा (वाल्मिकीनगर), एजेंसी। बगहा नगर थाना क्षेत्र के जानकी पेट्रोल पंप के पास स्थानीय लोगों और डायल 112 की टीम ने एक अजगर का रेस्क्यू मंगलवार रात को किया। नगर थाना अध्यक्ष अनिल कुमार की देखरेख में अजगर को वन विभाग को सौंप दिया गया। अजगर जंगल से निकलकर रिहायशी क्षेत्र में पहुंच गया था। जिसे रेस्क्यू कर सुरक्षित वन विभाग को सौंप दिया गया। गंडक नदी में के जलस्तर में इजाफा हुआ है। जिसके कारण इन दिनों में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) से निकलकर जंगली जानवरों का रिहायशी इलाकों में पहुंचना आम बात हो गई है। हालांकि सूचना पर वन विभाग रेस्क्यू करने के लिए पहुंचती है। बगहा फॉरेस्टर सुनील कुमार ने बताया कि अजगर को वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में छोड़ दिया गया है। बता दें कि कुछ दिन पहले एक हिरण का बच्चा भी पानी में बहते हुए रिहायशी क्षेत्र में पहुंचा था। जिसे 112 की टीम के सहयोग वन विभाग को सौंपा गया।

स्पीड ब्रेकर की वजह से अनियंत्रित हो गया था वाहन, जेसीबी से किया गया रेस्क्यू

डीजे ट्रॉली का इंजन पलटने से चालक की दबकर मौत

नवादा, एजेंसी। नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के बड़राजी कोल्हुआर संपर्क पथ पर मंगलवार को रामपुर बलुआ मुसहरी के समीप एक डीजे ट्राली का इंजन का पइन में पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। मृत ट्रैक्टर चालक को पहचान कौआकोल थाना क्षेत्र के पाली पंचायत अंतर्गत मंदरा गांव निवासी शिवबालक यादव उर्फ अकलू यादव का बेटा मुकेश यादव (30) के रूप में की गई है। ट्रैक्टर मंदरा गांव के भागवत प्रसाद उर्फ भागो प्रसाद का है। घटना के वक्त ट्रैक्टर में कुणाल म्यूजिक ग्रुप ओखरिया रोड बड़राजी का डीजे ट्राली लगा हुआ था। संभवतः चालक डीजे ट्राली लेकर कहीं शादी समारोह में जा रहा था। रामपुर बलुआ मुसहरी के पास स्पीट ब्रेकर से वाहन असंतुलित हो गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लिया

घटना की सूचना मिलने पर कौआकोल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। जेसीबी से पइन से ट्रैक्टर को खींचकर बाहर निकलवाया। जिसके बाद चालक की डेड बॉडी को बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन और ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए नवादा भेज दिया है।

आपाचे और गोल्ड चेन के लिए प्रेग्नेंट बहू की हत्या, भोजपुर में 1 साल पहले हुई थी शादी

लड़की वालों ने कहा था– धान कटने दो

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में चार महीने की गर्भवती महिला अनिता कुमारी (20) का शव उसके ससुराल से मिला है। परिजनों का आरोप है कि अनिता के पति और सास ने पीट-पीटकर उसकी हत्या की है। मायके वालों का कहना है कि ससुरालवाले लगातार आपाचे बाइक और सोने की चेन की डिमांड कर अक्सर उसके साथ मारपीट किया करते थे। वहीं मायके वालों ने धान की फसल कटने के बाद आपाचे बाइक और सोने की चेन देने की बात कहा थी। घटना के बाद से ससुरालवाले घर छोड़कर फरार हैं। पूरा मामला चरपोखरी थाना क्षेत्र के सेमरांव गांव का है।

2023 में हुई थी अनिता की शादी

मृतका की पहचान सेमरांव गांव निवासी रविंद्र कुमार उर्फ डब्लू की पत्नी अनीता कुमारी के रूप में हुई है। गड़हनी थाना क्षेत्र के बनकट गांव निवासी मृतका के पिता संजय सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी अनिता की शादी 17 मई 2023 को चरपोखरी थाना क्षेत्र के सेमरांव गांव निवासी राज कुमार यादव के बेटे रविंद्र कुमार उर्फ डब्लू से लेनदेन और पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ की थी। शादी के समय उन्होंने स्प्लेंडर बाइक भी दहेज में दी थी। शादी के चार महीने बीत जाने के बाद से ही उसके पति और सास ने आपाचे बाइक और सोने की चैन की मांग शुरू कर दी, जिसे लेकर वह उनकी बेटी के साथ मारपीट भी करते थे।

4 महीने की प्रेग्नेंट थी अनिता

पिता संजय सिंह ने बताया कि उनकी बेटी चार माह की गर्भवती भी थी। इसके बाद भी वह उसके साथ मारपीट और प्रताड़ित करते थे। इसी बीच मंगलवार की देर शाम उसके पति और सास द्वारा उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। ग्रामीणों ने उन्हें इसकी सूचना दी। सूचना पाकर परिजन उसके ससुराल सेमरांव गांव पहुंचे तो देखा कि उनकी बेटी मृत अवस्था में पड़ी है और उसके ससुरालवाले फरार हैं। इसके बाद पर परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया।

तीन बहन और एक भाई में दूसरे नंबर पर थी अनिता

अनिता अपने तीन बहन और एक भाई में दूसरे स्थान पर थी। उसके परिवार में मां विज्यांति देवी और दो बहन पुनीता, अमृता और एक भाई रवि कुमार है। मृतका का पति गांव में ही किराना दुकान चलाता है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतका की मां विज्यांती देवी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

22 जुलाई से शुरू होगा श्रावणी मेला :मुजफ्फरपुर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आरपीएफ जीआरपी की खास तैयारी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में 22 जुलाई से श्रावणी मेला शुरू हो रहा है। इसे लेकर मुजफ्फरपुर से ट्रेन से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भागलपुर होकर सुल्तानगंज और पहलेजा जाते हैं, ऐसे में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मुजफ्फरपुर स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी को भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिस पदाधिकारी और जवानों की प्रतिनियुक्त किया जायेगा। इसके अलावा भीड़ के दौरान ट्रेनों की सटीक जानकारी सहयोग काउंटर से उद्घोषणा के माध्यम से मिले। इसके लिए इंक्वारी काउंटर के कर्मचारियों को भी सर्तक रहने का निर्देश दिया गया है। रेल एसपी गौरव मंगला ने बताया कि भीड़ को लेकर जंक्शन परिसर और प्लेटफॉर्म पर सही और शत प्रतिशत लाइटिंग की व्यवस्था रहेगी। खराब लाइट और पंखा का आकलन कर बदलने का निर्देश संबंधित विभाग को दे दिया गया है। इसके अतिरिक्त सफाई और सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित सेहत केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने बहुत उत्साहपूर्वक प्रतिभाग ग्रहण किये। इस मैराथन प्रतियोगिता में न केवल छात्र ही भाग लिए अपितु छात्राओं ने भी उत्साह पूर्वक भाग लिया। छात्राओं शान्ति (समाज शास्त्र विभाग), ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लिप्सा मोहंती (अर्थशास्त्र विभाग) ने द्वितीय, रंजू यादव (संस्कृत विभाग) ने तृतीय, पूनम कुमारी (अंग्रेजी विभाग) ने चतुर्थ तथा मोहना सिंह (समाज कार्य विभाग) पांचवें स्थान पर रहीं। इसी प्रकार छात्रों में श्रीवास्तव दिग्विजय राज (संस्कृत विभाग) प्रथम, विवेक कुमार (अंग्रेजी विभाग) द्वितीय, बलिराम (संस्कृत विभाग) तृतीय, अशर्फी लाल (हिन्दी विभाग) चतुर्थ तथा शिव प्रसाद पाल (संस्कृत विभाग) पांचवें स्थान पर रहे। इस मैराथन प्रतियोगिता में प्रतिभाग ग्रहण करने वालों में से प्रथम 5 छात्राओं तथा प्रथम 5 छात्रों का चयन जिला स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता के लिए किया गया। इस अवसर पर सेहत केन्द्र के समन्वयक प्रो पवनेश कुमार तथा सेहत केन्द्र के संरक्षक की भूमिका में उपस्थित सह समन्वयक डॉ बब्लू पाल रहे।

संक्षिप्त समाचार

जिला स्कूल के प्रांगण में बन रहे इंडोर स्टेडियम का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल व उप विकास आयुक्त समीर सौरभ ने बुधवार को शहर जिला स्कूल के प्रांगण में निर्माणाधीन मल्टी स्पोर्ट्स इंडोर स्टेडियम का निरीक्षण किया। यह स्टेडियम बिहार राज्य भवन निर्माण निगम के द्वारा बनाया जा रहा है। निरीक्षण के समय भवन निर्माण के उप महाप्रबंधक आशुतोष उपस्थित थे जिन्होंने बताया कि 2.03 करोड़ की लागत से बनने वाले इस इंडोर स्टेडियम में तीन बैडमिंटन कोर्ट एवं एक कबड्डी कोर्ट के साथ महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम तथा शौचालय का प्रावधान किया गया है। यहां पर निर्माण एजेंसी के द्वारा बताया गया कि बिजली उपकरण सहित शीघ्र ही स्टेडियम को पूर्ण रूप से तैयार कर लिया जाएगा। इस पर जिलाधिकारी के द्वारा इस स्टेडियम को अगस्त माह के अंत तक तैयार कर लेने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी सह वरीय उप समाहर्ता अमरेश कुमार भी उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

बीएनएम। केसरिया। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई है। वहीं एक अन्य घायल हो गया। घटना बुधवार की देर संध्या थाना क्षेत्र के खोरा चौक की है। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के सलेमपुर का 20 वर्षीय रितेश कुमार उर्फ भुलावन के रूप में की गई है। बताया जाता है कि रितेश त्रिलोकवा स्थित अपने फुआ के घर से अपने घर जा रहा था। इसी बीच घटनास्थल के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में गया। जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं 11 वर्षीय प्रिंस कुमार घायल हो गया। जिसका इलाज चल रहा है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

खेत में काम कर रहे किसान और बैल की ठनका गिरने से मौत, हरवाहा घायल

बीएनएम। बेतिया। लौरिया थानाक्षेत्र के फुलवरिया गांव में बुधवार खेत में धान की रोपनी करा रहे एक किसान की मौत ठनका गिरने से हो गई, जबकि खेत में हल जोत रहा एक बैल की भी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। वहीं हल जोत रहा हरवहा भी काफी जख्मी हो गया है, जिसका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। मृतक किसान की पहचान कटैया पंचायत के फुलवरिया गांव के सुरेश यादव (56) के रूप में हुई है। घायल हरवाहा की पहचान सुमन राम (55) के रूप में हुई है। पुलिस मृतक का शव पोस्टमार्टम कराने के लिए बेतिया गवर्मेंट अस्पताल भेज दी है तो वहीं बैल का पोस्टमार्टम घटनास्थल पर ही प्रखंड मुख्यालय से पहुंचे चिकित्सक ने की। बताया जाता है कि बुधवार को सुरेश यादव इस साल पहली बार रोपनी कराने के लिए खेत में गए थे। पहली रोपनी होने के कारण वे गावा के रूप में घर से लोटा में पानी, अक्षत और फूल लेकर खेत में पूजा कर रहे थे और उनका हरवाहा सुमन राम बैल के साथ खेत की जुताई कर रहा था । इसी बीच करीब साढ़े 11 बजे ठनका गिरा और सुरेश यादव समेत बैल की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, वहीं हरवाहा भी ठनका के चपेट में आने से काफी जख्मी हो गया। घटनास्थल पर पहुंचे मुखियापति विनोद शर्मा ने मृतक के परिजनों को तत्काल कबीर अंत्येष्टि योजना के तहत राशि दी मृतक को तीन पुत्र और एक पुत्री है, जहां केवल पुत्री की शादी हुई है। तीनों पुत्र बाहर रोजगार के लिए बाहर रहकर काम करते हैं। वहीं पति की मौत की खबर सुनकर पत्नी का रो रोकर बुरा हाल है । मौके पर पूर्व मुखिया अमर राम, बीडीसी मलखान सिंह, रामबाबु राव, बब्लू राव,युनुस मियां आदि परिजनों को ढाढस बंधाकर दाह संस्कार कराने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं।

अजा-अजजा अत्याचार निवारण अनुश्रवण सह सतर्कता समिति की बैठक संपन्न

बीएनएम। मोतिहारी

अनुमंडल स्तरीय अनु जाति जनजाति अत्याचार निवारण अनुश्रवण सह सतर्कता समिति की बैठक संपन्न हुआ।बैठक में अनुजाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 4(1) एवं 18(1)का अनुपालन सुनिश्चित करने, 193 लंबित कांडो में नियमानुसार कार्रवाई करने एवं देरी करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने का प्रस्ताव राजू बैठा मुखिया ने दिया। पूर्व के बैठक में लिए गए 10 प्रस्तावों में 3 में ही अनुपालन होने तथा 7 में अनुपालन नहीं होने पर चिंता व्यक्त किया गया। पुलिस संबंधित मामले में अनुपालन निश्चित करने का प्रस्ताव लिया गया तथा एएसपी सदर को अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में दलित बस्ती में संपर्क पथ नही होने तथा नगर निगम नगर परिषद में अनु जाति को आवास का लाभ संबंधित मामले में उचित कार्रवाई का प्रस्ताव रखा गया। बैठक की अध्यक्षता श्रेष्ठ अनुपम (भाप्रसे) अनमुंडल पदाधिकारी सदर ने की बैठक में शिखर चौधरी एएसपी सदर, अरविंद कुमार सचिव सह बीडीओ मोतिहारी, सरीना आजाद बीडीओ कोटवा, अंचलाधिकारी कोटवा, अंचलाधिकारी पिपरा कोठी, अंचलाधिकारी बंजरिया, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, मोतिहारी , रामदेव राम सदस्य, राजेंद्र बैठा सदस्य, मनोज कुमार अकेला सदस्य, अलका मांझी सदस्य, सज्जाद आलम विधायक प्रतिनिधि नरकटिया, अखिलेश झा विधायक प्रतिनिधि सुगौली सहित कई अन्य शामिल हुए।

रक्सौल अंचल कार्यालय का गिरा जर्जर छत,बाल-बाल बचे कर्मी

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले के रक्सौल अंचल कार्यालय का जर्जर भवन के छत का बड़ा टुकड़ा अचानक उस समय गिर गया जब कार्यालय में कर्मी काम कर रहे थे। घटना के बाद पूरे कार्यालय में अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। हालांकि इस दौरान किसी कर्मी की घायल होने की सूचना नही है। कर्मियों ने बताया कि गिरे छत का टुकड़ा इतना बड़ा था,कि अगर किसी के शरीर पर गिरता तो बड़ा हादसा हो सकता था। वही इसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंती रक्सौल एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित ने प्रखंड व अंचल कार्यालय की जर्जर स्थिति को देख तत्काल कार्यालय को सभा भवन में चलाने का निर्देश दिया है। एसडीएम ने भवन निर्माण विभाग को सूचना देकर भवन की मरम्मत कराने का भी निर्देश दिया। उल्लेखनीय है,कि 1965 में बने यह भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है। इसके छत व दीवारो में जगह जगह बड़ी दरारे हो चुकी है।जिस कारण बारिश के दिनों में कर्मियों को परेशानियों से जूझने एव फाइलों को सुरक्षित रखना एक बड़ी समस्या बन गई है। कर्मियो ने बताया कि भवन की जर्जरता की जानकारी जिला मुख्यालय को कई बार दी जा चुकी है। लेकिन अब तक इस भवन की मरम्मत नही कराई जा सकी है।फिलहाल एसडीएम के निर्देश पर भवन निर्माण के अभियंता जर्जर भवन का निरीक्षण किया है।

एयरपोर्ट ऑथरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों से सांसद की हुई बैठक

रक्सौल में एयरपोर्ट बनाने की दिशा में कवायद शुरू

बीएनएम। मोतिहारी

समाहरणालय में केंद्र सरकार के एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों के साथ स्थानीय सांसद डॉ सजंय जायसवाल की बैठक हुई। सांसद डॉ सजंय जायसवाल ने बताया कि 8 वर्षों से लगातार प्रयास के बाद इस वर्ष 20 फरवरी को माननीय मुख्यमंत्री जी ने भूमि अधिग्रहण करने का आदेश निर्गत किया। उन्होंने बताया कि बिगत समय में जिस जमीन का अधिग्रहण हो रहा था आज उसका एक हिस्सा रक्सौल बाईपास में आ चुका है। इसलिए बैठक में तय हुआ कि हम पश्चिम की दिशा में नदी की तरफ जमीन अधिग्रहण बढ़ाएंगे। सांसद ने बताया कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया को तीन हफ्ते का हमलोगों ने समय दिया। तीन हप्ते बाद नए नक्शे के साथ एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया अगस्त के पहले हफ्ते में बैठक में उपस्थित हों।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

एनीमिक गर्भवती महिलाओं को होता है गर्भपात का खतरा बचाव के आयरन का सेवन जरुरी

संतुलित आहार के साथ आयरन की गोली का करें सेवन

एनीमिया के कारण गर्भवती महिलाओं को अत्यधिक थकान और सांस की तकलीफें भी हो सकती है

बीएनएम। बेतिया

गर्भवस्था के दौरान गर्भवती महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना चाहिए, स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही भारी पड़ सकती है। गर्भवती महिलाओं को संतुलित भोजन के साथ ही चिकित्सक के सलाह के अनुसार सही मात्रा में आयरन, कैल्शियम की दवा का सेवन करना चाहिए- यह कहना है नरकटियागंज अनुमण्डलीय अस्पताल के गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ प्रीति कुमारी का, उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं में शुरुआती तौर पर एनीमिया का होना आम बात है, परन्तु अधिक समय तक रहने पर यह खतरनाक हो जाता है। एनीमिया के कारण जच्चा- बच्चा के स्वास्थ्य पर कुप्रभाव पड़ता है। इससे गर्भ- पात का खतरा बढ़ जाता है।एनीमिया रोग के लक्षण अत्यधिक थकान और सांस लेने में तकलीफें, चक्कर आना, कमजोरी महसूस होना,सिरदर्द, पीली त्वचा, तेज़ दिल की धड़कन,कम रक्तचाप आदि है।इससे बचने के लिए समय-समय पर गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों से जाँच करानी चाहिए।गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ प्रीति कुमारी ने बताया कि शरीर में खून की कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया रोग में शरीर में फॉलिक एसिड, आयरन और बिटामिन B12 की कमी हो जाती है, जिसके कारण शरीर में किसी कारण से जब रेड ब्लड सेल्स में कमी आ जाती है तो व्यक्ति एनीमिया रोग से ग्रसित हो जाता है।

बच्चे पर भी पड़ता है एनीमिया का असर : गर्भ में पल रहें बच्चे के स्वास्थ्य पर भी एनीमिया के कारण बुरा असर देखा जाता है।जन्म के समय शिशु का वजन कम होना, कमजोर शिशु, मृत शिशु का जन्म होने के साथ ही

एनीमिया के कारण जच्चा - बच्चा पर संक्रमण का भी खतरा बना रहता है। गर्भावस्था के दौरान परजीवी संक्रमण जैसे हुक वर्म आदि के कारण भी शरीर में खून की कमी हो जाती है। इसलिए बीमारियों से बचाव करना भी गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत जरूरी है।

संतुलित आहार के साथ आयरन गोली है कारगरः जिले के डीसीएम राजेश कुमार ने बताया कि गर्भवती महिला की हर माह प्रसव पूर्व जांच आवश्यक है।

ताकि एनीमिया का पता लगाया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रत्येक गर्भवती महिला को कुल 360 आयरन की गोली का सेवन करना चाहिए। 180 गोली प्रसव से पहले व 180 गोली प्रसव के बाद 6 महीने लेनी चाहिए। एनीमिया से बचने के लिए - पालक, हरी सब्जी व मछली, दूध व अंडा आदि का नियमित सेवन।

ये शरीर में आयरन की मात्रा को बढ़ाते हैं। सीएस ने बताया कि गर्भावस्था में बहुत अधिक चाय व कॉफी के सेवन से बचना चाहिए। अच्छी नींद लेनी चाहिए। गुड़ और चना का सेवन काफी लाभप्रद होता है। इसके साथ चुकंदर, सूखे मेवे व मौसमी फल जरूर लें।उन्होंने बताया की राज्य में करीब 63 प्रतिशत महिलाएं और 69 प्रतिशत बच्चे (छह से 59 माह तक के) एनीमिया से ग्रसित हैं। प्रसव बाद 42.6 प्रतिशत महिलाएँ एनीमिया से ग्रसित है।

संक्षिप्त समाचार

बरसात में जंगली जीवों का रिहायशी इलाके में निकलने का सिलसिला शुरू

बीएनएम। बगहा। बगहा के इंडो नेपाल सीमा पर वाल्मीकिनगर के लव कुश घाट कॉलोनी में लिज़ार्ड घुसने से अफरा तफ़री मच गईं हालांकि फ़ौरन वन विभाग को सूचित किया गया औऱ ग्रामीणों नें उसका सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। इधर बगहा शहर के पारस नगर जानकी पेट्रोल पम्प के पास मोहल्ले में विशाल अज़गर सांप निकलने से भगदड़ मच गईं, जिसकी सूचना पर नगर थाना की पुलिस औऱ वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दरअसल बिहार के इकलौते वीटीआर जंगल से निकलकर रिहायशी इलाकों में जंगली जीव जंतुओं का पहुंचना इन दिनों आम बात हों गया है क्योंकि इलाके में हों रहीं वर्षा औऱ जंगल में आईं बाढ़ के कारण जानवरों के साथ साथ ऐसे विषधर जीव जंतु आस पास के गांवों औऱ मोहल्लों में पहुंच रहें हैं। ऐसे में वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व से सटे रिहायशी इलाकों में लोग डरे सहमे हुए हैं। घटना की सूचना के बाद 112 पुलिस औऱ वन विभाग की टीमों नें दोनों का रेस्क्यू क़र उन्हें सुरक्षित टाइगर रिज़र्व जंगल में छोड़ दिया है। बतादें की वाल्मीकिनगर में मॉनिटर लिज़ार्ड औऱ भालू जंगल से भटककर आ गए थे तो बगहा में अज़गर सांप पहुंच गया था।

लायंस बल्ब ऑफ रक्सौल द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

- आईसीपी रक्सौल में 145 लोगो का हुआ निशुल्क स्वास्थ्य जाँच
- आईसीपी प्रबंधक प्रवीन कुमार ने किया सम्मानित

बीएनएम। रक्सौल

भारतीय भूमि पतन प्राधिकरण (आईसीपी) रक्सौल के प्रांगण स्थित मुख्य भवन के सभागार में लायंस क्लब ऑफ रक्सौल, डिस्ट्रिक्ट(322ई) के तत्वधान में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सको के टीम द्वारा करीब 145 लोगों की स्वास्थ्य जाँच की गई । आईसीपी प्रबंधक प्रवीन कुमार के द्वारा लायंस क्लब के सदस्य चिकिसक लायन एस के सिंह, चिकित्सक लायन राजीव रंजन एवं नर्सिंग स्टाफ को पुष्पगुच्छ व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। लायंस क्लब ऑफ़ रक्सौल के अध्यक्ष लायन साइमन रेक्स द्वारा आईसीपी प्रबंधक प्रवीन कुमार व एनयूजेआई अनुमण्डल संयोजक बिपिन कुशवाहा व अन्य पदाधिकारियो को लायंस पिन लगा कर स्वागत किया गया। उपस्थित लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुप्त उठाया। वही स्वादिस्ट व्यंजनो का भी स्वाद चखा। इस मौके पर आईसीपी सलाहकार एनकेसिंह, नारायण कुमार, अख्तर सैफ़ी, धनंजय कुमार चंदेल, सूचित सिंह, श्यामबाबू सिंह, राहुल गुप्ता, लायन मोहम्मद निज़ामुद्दीन, लायन प्रियंका सोनी, लायन राजन गुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित थे। इसकी जानकारी लायंस क्लब रक्सौल के सचिव सह मीडिया प्रभारी बिमल सराफ ने दी ।

दो माह से बंद घर में मिला नरकंकाल

बीएनएम। पताही

जिले के पचपकड़ी थाना क्षेत्र के देवापुर पंचायत के खोरीपाकर गांव में दो माह से बंद पड़े घर से नर कंकाल मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नर कंकाल बरामद किया है। बरामद कंकाल को पुलिस ने जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार खोरीपाकर गांव निवासी स्वर्गीय वैद्यनाथ सिंह उर्फ बाबर सिंह की मृत्यु तकरीबन 4 वर्ष पूर्व हो गई थी और उनका एक 25 वर्षीय पुत्र है जो दिल्ली मे किसी प्राइवेट कंपनी में काम करता है। वह अपने घर तीन माह पूर्व आया था। दिल्ली जाने के बाद वह अपने परिवार के किसी भी सदस्य से कोई संपर्क नहीं कर पाया है, जिसके बाद बाबर सिंह की पत्नी अनीता देवी तकरीबन दो माह से अपनी बेटी के यहां रह रही थी। जो मंगलवार की शाम अनीता देवी अपने खोड़ीपकड़ गांव घर पहुंची तो उसके घर से बदबू आ रही थी। जब वह घर का ताला खोलकर अंदर गई। तो घर के आंगन से एक नरकंकाल मिला। इसके बाद ग्रामीण इकट्ठे हुए और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और कंकाल को बरामद कर जांच के लिए भेज दिया। पचपकड़ी थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि अब फॉरेंसिक जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि ये कंकाल किसका है तथा आत्महत्या का कारण क्या है। वैसे पुलिस अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है। जल्दी मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

उन्नाव बस हादसे में बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के एक ही परिवार के छह की मौत, दो की हालत नाजुक

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हुए बस हादसे में 18 लोगों की मौत हुई है, जिसमें बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के फेनहारा थाना क्षेत्र के एक ही परिवार के छह लोग हैं जबकि दो अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। सभी लोग मेरठ में मजदूरी करते थे और शिवहर से दिल्ली जाने वाली बस में मंगलवार दोपहर सवार हुए थे। मृतकों के परिजनों के मुताबिक, पहले ये लोग ट्रेन से जाने वाले थे लेकिन टिकट कन्फर्म नहीं मिलने के कारण इन लोगों ने बस पकड़ना मुनासिब समझा। बस हादसे की सूचना पर परिजन घटनास्थल की ओर रवाना हो गये हैं। पूरे फेनहारा में शोक व्याप्त है। मृतकों की पहचान इलियास (35), उसकी पत्नी कमरूनेशा (30), अशफाक (45), उसकी पत्नी मुनचुन खातून (38), इनके दो

बच्चे गुलनाज (13) और सोहेल (3) के रूप में हुई है। अशफाक के दो बेटे दिलशाद और साहिल इस घटना में घायल हैं। बताया गया कि इलियास और अशफाक दोनों सगे भाई थे। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव में बुधवार सुबह 5:15 बजे डबल डेकर बस और दूध की टैंकर की टक्कर हो गई, जिसमें बस सवार 18 यात्रियों की मौत हो गई जबकि 19 से ज्यादा घायल हैं। मृतकों में 14 पुरुष, 2 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। बस बिहार के सीतामढी शिवहर होते हुए वाया सीवान दिल्ली जा रही थी। हादसा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर बांगरमऊ कोतवाली के समीप हुआ है। बताया जा रहा है कि दोनों गाड़ियों में टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के ड्राइवर साइड की बॉडी पूरी तरह से अलग हो गई। यूपी पुलिस के अनुसार डबल डेकर सवारी बस दूध के टैंकर को ओवरटेक कर रही थी। इसी दौरान बेकाबू होकर टैंकर को टक्कर मारते हुई पलट गई। घायलों को पहले बांगरमऊ सीएचसी में भर्ती कराया गया, जिनमें गंभीर लोगों को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है।

उन्नाव जिला प्रशासन ने जारी की हेल्प लाइन नम्बर

माइलस्टोन 248 km के निकट आगरा- लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर प्राइवेट बस व दूध टैंकर के मध्य एक्सीडेंट में अब तक (0700 hrs) 18 लोगों की मृत्यु हो गयी है व 19 घायलों को उपचार हेतु जिला चिकत्सालय रेफर कर दिया गया है।

उक्त घटना के सम्बन्ध में निम्न नंबरों पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं-

1. 0515-2970766
2. 0515-2970767
3. टोल फ्री नंबर 1077
4. 9651432703
5. 9454417447
6. 8081211297

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

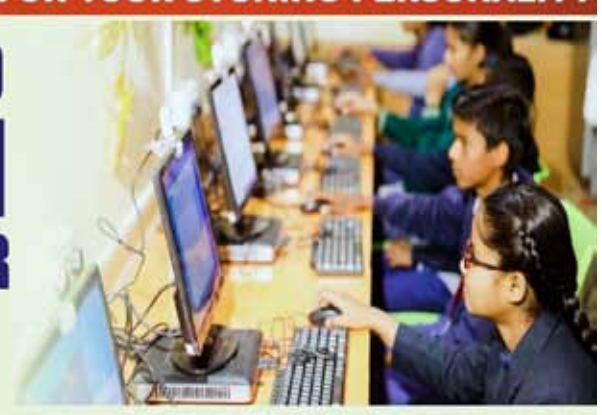

Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

संपादकीय

नीट पर 'सुप्रीम' सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 की शुचिता 'नष्ट' हो गई है तो दोबारा परीक्षा का आदेश देना होगा। सोमवार को प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि एक बात स्पष्ट है कि पेपर लीक हुआ है। सुप्रीम कोर्ट नीट-यूजी अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी। इस बीच, सोमवार को सीबीआई ने नीट-यूजी में कथित हेरफेर करने के आरोप में महाराष्ट्र के लातूर में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। शीर्ष अदालत ने सीबीआई के जांच अधिकारी को जांच की स्टेटस रिपोर्ट अगली सुनवाई के दिन अदालत के समक्ष पेश करने को भी कहा है।

सीबीआई कदाचार, 'ओएमआर' सीट में हेरफेर, अभ्यर्थी के बदले किसी अन्य के परीक्षा देने और धोखाधड़ी के आरोपों की जांच कर रही है। नीट-यूजी परीक्षा में कथित धांधली और अनियमितता उजागर होने के बाद अभ्यर्थी और उनके परिजन सड़क पर उतर आए और उन्हें कुछ राजनीतिक दलों का भी समर्थन मिला। वे री-नीट की मांग कर रहे थे यानी नये सिरे से परीक्षा कराने की मांग पर अड़ गए। इस बीच यह मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पहुंच गया। उसके बाद विरोध प्रदर्शनों का शोर थमा लेकिन छिटपुट प्रदर्शन होते रहे। सभी को उम्मीद बंध गई थी कि शीर्ष अदालत उनके साथ न्याय करेगी। अब जिस प्रकार से शीर्ष अदालत ने सवाल किए हैं, और रिपोर्ट तलब की हैं, उससे लगता है कि शीर्ष अदालत दोटूक फैसला देने से पहले हर पक्ष और पहलू को जान लेना चाहती है। शीर्ष अदालत ने पुनः परीक्षा के आदेश की बाबत कानून स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि जांच करनी होगी कि क्या कथित उल्लंघन प्रणालीगत स्तर पर हुआ है, क्या उल्लंघन ने पूरी परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता को प्रभावित किया है और क्या धोखाधड़ी के लाभार्थियों को बेदाग छात्रों से अलग करना संभव है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि जहां उल्लंघन पूरी परीक्षा को प्रभावित करता है और लाभार्थियों को दूसरों से अलग करना संभव नहीं है तो फिर से परीक्षा का आदेश देना आवश्यक हो सकता है। चूंकि पेपर लीक जंगल की आग की तरह फैला है, इसलिए लाभार्थियों और दोषियों की पहचान आसान नहीं होगी। अब अगली सुनवाई पर अदालत के रुख पर सभी की नजरें हैं।

आतंकवाद के विरुद्ध

जम्मू के कठुआ में सोमवार को सेना के गश्ती दल पर आतंकियों ने घात लगाकर हमला किया जिसमें पांच जवान शहीद हो गए। एक महीने के भीतर कठुआ में दूसरी बार आतंकी हमला हुआ है जो सरकार, सुरक्षा बल और प्रशासन के लिए चिंता का विषय है। पिछली कुछ आतंकी घटनाओं का ट्रेंड बता रहा है कि दहशतगर्दों ने अपनी रणनीति में बदला किया है। अब जम्मू और विशेषकर कठुआ आतंक का नया गढ़ बनता दिख रहा है। हालांकि जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद के शुरुआती दिनों में यह इलाका आतंकवादियों का अच्छा खासा ठिकाना बन गया था। लेकिन सुरक्षा बलों ने विशेष अभियान चलाकर कठुआ और उसके आसपास के इलाके को आतंक से मुक्त करा लिया था।

संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन बहाल हो रहा था लेकिन जब से विधानसभा चुनाव की आहट तेज हुई है, अचानक आतंकवादी सक्रिय हो गए हैं। हाल के महीनों में आतंकियों ने सीमावर्ती जिले पूंछ, राजौरी, डोडा और रियासी में एक के बाद एक हमले किए हैं। अब आतंकी घाटी की ओर से जम्मू की ओर रुख करने लगे हैं। इसकी बड़ी वजह कठुआ की प्रकृति और बनावट है। यह क्षेत्र पहाड़ियों और घनघोर जंगलों से भरा-पूरा है और इसके एक ओर पाकिस्तान की सीमा लगती है और दूसरी ओर पंजाब और हिमाचल है। सीमा पार से आने वाले आतंकवादी वारदात को अंजाम देकर जंगलों के रास्ते पाकिस्तान वापस चले जाते हैं। इस जिले की जनसांख्यिकी भी कश्मीर घाटी से अलग है। यहां हिन्दुओं की आबादी अधिक है। ऐसा हो सकता है कि चुनाव से पहले सांप्रदायिक माहौल खराब करना भी पाक प्रायोजित आतंकवादियों का एक राजनीतिक लक्ष्य हो। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि रियासी में इसी इरादे से श्रद्धालुओं की बस को निशाना बनाया गया हो। यह कहा जाता है कि आतंकवाद की कोई निश्चित उम्र नहीं होती। देखा गया है कि कभी-कभी यह एक समय बाद स्वतः ही खत्म हो जाता है। लेकिन कश्मीर में जारी आतंकवाद के पीछे पाकिस्तान की बड़ी भूमिका से कोई भी इंकार नहीं कर सकता। शायद इसलिए भी यहां आतंकवाद लंबे समय से जीवित है। अब यह देखने वाली बात होगी कि यहां आतंकवाद के विरुद्ध जारी निर्णायक युद्ध में केंद्र सरकार का पाकिस्तान के प्रति क्या रुख रहता है।

सेंसेक्स में उछाल : सतर्क रहें निवेशक

बीएसई सेंसेक्स पहली बार पिछले सप्ताह 80,000 के पार पहुंचा, 5,000 अंकों की बढ़त में मात्र 57 दिन लगे। 1990 से शुरू हुए सेंसेक्स में तीसरी बार इतनी बड़ी बढ़त हुई है जिसे लेकर जहां शेयर धारकों में उल्लास का वातावरण है वहीं सेबी के लिए बड़ी जिम्मेदारी की बात कही जा रही है। इस वर्ष सेंसेक्स में अब तक 10% की तेजी हो चुकी है, 29 कंपनियों का मार्केट कैप 1 लाख करोड़ रु पये के ऊपर चला गया है। देश में अब कुल 1 लाख करोड़ रु पये से अधिक मार्केट कैप वाली 101 कंपनियां हैं, 2023 में इनकी संख्या 74 थी। सेंसेक्स में इतनी बड़ी तेजी को लेकर मुख्य न्यायाधीश माननीय चंद्रचूड़ ने कहा है कि ऐसी घटनाएं नियामक प्राधिकरणों के लिए यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देती हैं कि जीत के जश्न के बीच हर कोई अपना संतुलन और धैर्य बनाए रखे। बाजार नियामकों -सेबी (भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड) एवं सैट (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण) को सतर्क रहने की आवश्यकता है ताकि इनकी नींव की स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। विगत वर्षो में शेयर बाजार में लेन-देन में भारी बढ़त होने के कारण सेबी और सैट, दोनों के कार्यभार बढ़े हैं। साथ ही साथ जिम्मेदारियां भी। सैट के और नये पीठ खोलने की आवश्यकता पर भी उन्होंने बल दिया। निवेश के लिए स्थिर और विसनीय माहौल राष्ट्रीय महत्त्व का विषय है। जब निवेशक आस्त महसूस करते हैं कि उनका निवेश कानून द्वारा संरक्षित है, और विवादों के समाधान के लिए प्रभावी तंत्र है, तो पूंजी बाजार में निवेश की अधिक संभावना होती है जो इस समय देखी जा रही है।

सेबी भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 के प्रावधानों के अनुसार 12 अप्रैल, 1992 को स्थापित स्वायत्त वैधानिक निकाय है जिसे वैधानिक शक्तियां प्रदान की गई हैं-वही शक्तियां जो दीवानी न्यायालय में निहित होती हैं। सेबी तीन श्रेणियों के आवश्यकता की पूर्ति करता है: 1) ऐसा बाजार उपलब्ध कराना जिसमें निवेशक अपना वित्त बढ़ा सकें, 2) बाजार के बारे में सही और सटीक जानकारी सुनिश्चित करना, तथा 3) बिचौलियों के लिए प्रतिस्पर्धा और पेशेवर बाजार को सक्षम करना। बाजार अपराधियों से भरा होता है। इसके चलते सख्त कार्रवाई और गंभीर हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। वैधानिक प्रवर्तन शक्तियां, जो सेबी को दी गई हैं, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों की तुलना में भी अधिक हैं ताकि आर्थिक क्षति के लिए दंड की व्यवस्था प्रभावी हो। सैट भी वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 के तहत सेबी द्वारा पारित आदेशों के विरुद्ध अपीलों की सुनवाई और निपटारे के लिए की गई है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण एवं पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण के आदेशों के खिलाफ अपील भी सैट में की जा सकती है। 1997 से अब तक सैट ने 67,000 अपीलों पर अपने निर्णय दिए हैं, 1,028 अपील अभी लंबित हैं। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य घटना है, जो होती ही रहती है। कभी-कभी बढ़ोतरी या गिरावट बहुत तीव्र होती है, जो निवेशकों को तेजी से आकर्षित करती है, या उनकी पूंजी डुबो देती है। इसके अनेक कारण हैं-देश की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति, सरकार एवं केंद्रीय बैंक की अर्थ एवं वित्त नीति, कंपनियों में लगी पूंजी और लाभ, जीडीपी, मुद्रास्फीति, व्याज दर, बेरोजगारी, वैश्विक अर्थव्यवस्था, विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा उठाए गए कदम, युद्ध, सप्लाई श्रृंखला में बाधा, अराजकता आदि सभी शेयर बाजार को प्रभावित करते हैं। इन पर सेबी का कोई नियंत्रण नहीं होता। बड़े निवेशकों एवं बिचौलियों द्वारा हेराफेरी जब शेयर मार्केट को प्रभावित करती हैं, तब सेबी की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। आजकल सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप एवं बिजनेस न्यूज चैनलों पर स्टॉक टिप्स सहित सूचनाओं की लगातार बमबारी हो रही है, सीधे-साधे निवेदक कभी-कभी इससे खतरनाक जाल में फंस जाते हैं, और अपनी गाढ़ी कमाई गंवा बैठते हैं।

शेयर बाजार में भारी संख्या में निवेशक घाटे में रहते हैं। पेनी स्टॉकों में निवेश कराने, इंट्रा ट्रेड और कम समय वाले कारोबार में शामिल कराने, जल्दबाजी में निर्णय कराने, अफवाह फैलाने जैसे हथकंडे बिचौलियों द्वारा अपनाए जाते हैं, जिन पर नियंत्रण आवश्यक है। शेयर धारकों की बेसब्री भी उनके लिए महंगी पड़ती है, गिरते बाजार में बिना सोचे-समझे भारी बिकवाली इसका एक उदाहरण है। कई बार बहुत थोड़े समय में बाजार में फिर से तेजी आ जाती है। ऐसी स्थिति में शेयर धारक अपने निर्णय पर पछताने के अलावा कुछ नहीं कर सकता। कोरोना महामारी के शुरू होते शेयर बाजार तेजी से नीचे आया किंतु 11 महीनों के बाद ही फिर ऊंचाइयां छूने लगा। गिरते बाजार में जिन लोगों ने भारी खरीदारी की बाद में उनकी पूंजी में खूब वृद्धि हुई, जिन लोगों ने जल्दबाजी में बेच दिया घाटे में रहे। विके महानिवेशक वारेन बुफे का कहना है कि शेयर बाजार बेसब्री से सब्र करने वालों को धन हस्तांतरित करने का एक उपकरण है। समय-समय पर शेयर बाजार में बड़े घोटाले के समाचार आते हैं। भारतीय शेयर बाजार का कुल मार्केट कैप 3.2 ट्रिलियन डॉलर के करीब है जहां इतना पैसा रोज एक दूसरे के पास आता जाता है, लालच, घोटाले, धोखाधड़ी करने वाले को अवसर मिल ही जाता है। हर्षद मेहता, केतन पारिख, सत्यम आदि घोटाले बड़े पैमाने पर निवेशकों को चूना लगा चुके हैं। बाजार नियामकों-सेबी, सैट आदि की सतर्कता और हस्तक्षेप ऐसी स्थितियों को कुछ हद तक नियंत्रण में ला सकते हैं। शेयर बाजार के बारे में सही समाचार निवेशकों तक पहुंचें और बिचौलिये निवेशकों को गुमराह न कर सकें, इसके लिए सेबी प्रयत्नशील रही है। फिर भी अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। सैट द्वारा अपीलों का निपटारा भी कम समय में हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, सैट की पीठों की संख्या बढ़ाई जाए तथा उन्हें और सक्षम किया जाए।

-प्रो. लल्लन प्रसाद

भिखारी ठाकुर : जनजागरण के रहे प्रतीक

भिखारी ठाकुर को याद करने का यह सही समय है। समाज कई तरह के बदलावों के दौर से गुजर रहा है। सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक रूप से हम सशक्त हुए हैं, जिसमें नैतिकता का नितांत लोप दिखाई पड़ता है। हमारे रचनाकार, कलाकार अपनी रचनाओं के माध्यम से, अपने तरीके से समाज को रास्ता दिखाने का प्रयास करते रहे हैं। इसके लिए विद्वता का होना जरूरी नहीं है। अपनी परंपराओं से हम बहुत कुछ सीखते हैं। साहस से रचते हैं। इसी परंपरा के लोक कलाकार हैं भिखारी ठाकुर। लोक कवि भिखारी ठाकुर ने अपनी रचनाओं को जन जागरण का हथियार बना दिया। वे तुलसीदास को अपना गुरु मानकर उनकी शैली अपनाते हैं तो कबीर की तरह सामान्य जन की भाषा अपना कर अंतिम जन तक अपनी बात पहुंचाने का कार्य करते हैं। सही मायने में भिखारी ठाकुर आधुनिक भोजपुरी पुनर्जागरण के दूत थे। उनकी सामाजिक चेतना पर भोजपुरी क्षेत्र के साथ-साथ बंगाल का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से पड़ा। 1829 में विलियम बेंटिक ने सती-प्रथा उन्मूलन कानून बनाया, जिसका प्रभाव भारतीय जनमानस पर व्यापक रूप से पड़ा। राजा राममोहन राय समाज के नायक बन कर उभरे। राय ने भारतीय समाज में व्याप्त कुरीतियों को उठाया। लोक में व्याप्त कलाओं में निहित आस्तिकता और आध्यात्मिकता को वाचिक परंपरा से प्राप्त भक्ति साहित्य की आस्तिकता और आध्यात्मिकता से मिला कर भिखारी ठाकुर ने अपने यथार्थ को रचा जो उनकी रचनात्मकता आधार था। भारत में पुनर्जागरण के ज्यादातर पुरोधा सामाजिक रूप से ऊपरी तबके से थे, जबकि भिखारी ठाकुर नाई जाति में पैदा हुए थे और पढ़े-लिखे नहीं थे। भिखारी को अपार लोकप्रियता मिली। किंचित इसके पीछे 'तमाशा' के उस माध्यम का भी हाथ रहा जिनके जरिए उन्होंने अपनी बात कही और जीते जी किंवदंती बन गए। भिखारी ठाकुर के प्रतीकीकरण की प्रक्रिया बाद में हुई। इस प्रक्रिया में बिहार के राजनीतिक समीकरणों और वहां के नेताओं

ने भी प्रमुख भूमिका निभाई। एक समाज चेता प्रतीक के रूप में भिखारी ठाकुर और मजबूती से उभरे। भिखारी ठाकुर व्यक्तिगत आचार व्यवहार तथा सामाजिक आदान-प्रदान में सांस्कृतिक परंपराओं का पालन करते थे परंतु वर्ण-व्यवस्था की त्रासदी को स्वयं भोगते हुए भी वे उनके खिलाफ उग्र प्रतिक्रिया की जगह रचनात्मक समाधान की उम्मीद रखते थे। यह उनकी रचनाओं में साफ दिखता है और उसमें पूर्ण विश्वास करते थे। शोषित, दलित, नारी और गरीब पर हो रहे अत्याचार को लेकर चिंतित दिखाई पड़ते हैं। हाशिये पर गुजर-बसर कर रहे इस समाज की मुक्ति के लिए आजीवन प्रयत्न करते रहे। अपनी पीड़ा की अभिव्यक्ति का माध्यम नाटकों को बनाया। तमाशा और नाच के जरिए उन्होंने तत्कालीन समस्याओं और समाज की विद्रूपताओं पर साहसपूर्ण तरीके से विवेचना की। साहित्य में भिखारी ठाकुर के प्रतीकीकरण के प्रसंग और महत्त्व को समझने के लिए भोजपुरी साहित्य के इतिहास, उसकी धाराओं और उसकी प्रवृत्तियों को समझना जरूरी है। भोजपुरी साहित्य का लंबा इतिहास रहा है। वैसे तो कुछ जानकार कबीर को भोजपुरी साहित्य के आदिकवि के रूप में देखते हैं, लेकिन कइयों ने इसकी जड़ें विक्रमशिला के सिद्ध साहित्य और शाहाबाद के ईशानचंद्र की कविताओं में ढूंढी हैं। ये आध्यात्मिक और संस्कार गीत भोजपुरी साहित्य की सुदीर्घ लोक परंपरा को चरितार्थ करते हैं। दूसरी तरफ, अगर हम भोजपुरी साहित्य में प्रकाशन की परंपरा को देखें तो यह लगभग 140 वर्ष पुरानी है। इसकी शुरुआत 1885 में तेग अली के बदमाश दर्पण के प्रकाशन के साथ होती है। उल्लेखनीय है कि यद्यपि तेग अली बनारस के भारतेंदु मंडल के संपर्क में आए थे, और उन्हीं के प्रोत्साहन से बदमाश दर्पण प्रकाशित हो पाया था, लेकिन अली स्वयं कोई साहित्यकार या विद्वान नहीं थे। पहलवानी करते थे और पेशे से लठैत थे। भोजपुरी की सबसे पहले प्रकाशित पुस्तक के रचनाकार का पेशा इस बात की ओर इशारा करता है कि प्रिंट के आने के बाद भी भोजपुरी साहित्य में लोक संस्कृति का हस्तक्षेप व्यापक रहा है। अपनी बहुचर्चित किताब 'जोरालिटी एंड लिटरेसी दी टेक्नोलोजइजिंग ऑफ दी वर्ल्ड' (1982) में वॉल्टर जे ऑग कहते हैं कि प्रिंट के आने से हमारे विचार पद्धति, सोच और संस्कृति में व्यापक परिवर्तन आए। लोक संस्कृति किताबों में कहीं गुम सी हो गई और अनूठी बौद्धिक सभ्यता का प्रादुर्भाव हुआ। लेकिन भोजपुरी साहित्य की धाराओं पर नजर डालें तो पाएंगे कि आंग का सूत्रीकरण शायद पूरी तरह से सटीक नहीं है। प्रिंट के आने के बाद भी भोजपुरी साहित्य सिर्फ मनोरंजन के ही नहीं, बल्कि भोजपुरी साहित्य और समाज के बौद्धिक विन्यासों के भी प्रतीक हैं। भिखारी ठाकुर विरले रचनाकार हैं जिनकी कला और रचना का प्रभाव स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता था। लोग उनके मंचन के बाद रोते-बिलखते और अपनी सामाजिक कुरीति को खत्म करने की सामूहिक प्रतिज्ञा लेते थे। महात्मा गांधी जो काम अपने रचनात्मक कार्यक्रम के जरिए कर रहे थे वही काम भिखारी ठाकुर अपनी कला के माध्यम से कर रहे थे। भिखारी पूरे भोजपुरी इलाके के सामाजिक परिवर्तन के प्रतीक हैं।

-पंकज चौबे

आज का पंचांग

आज आषाढ़ शुक्ल पक्ष की उदया तिथि पंचमी और गुरुवार का दिन है। पंचमी तिथि आज सुबह 10 बजकर 4 मिनट तक रहेगी, उसके बाद षष्ठी तिथि लग जायेगी। आज पूरा दिन पार कर भोर 4 बजकर 9 मिनट तक वरीयान योग रहेगा।

आज का राशिफल

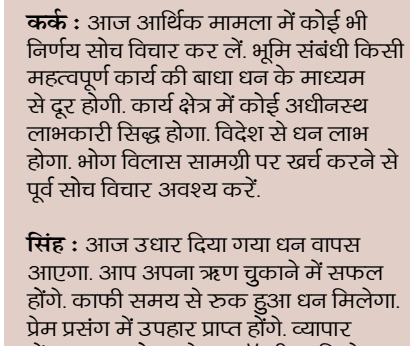

मेष : आर्थिक क्षेत्र में आय एवं व्यय का संतुलन बना रहेगा. आगंतुक मेहमान से ग्रह खर्चे में वृद्धि होगी. श्रम संघर्ष दौड़ धूप के बावजूद लाभ कम होगा. उत्तम द्रव्य प्राप्ति का योग. भूमि, भवन आदि के लेनदेन के विचार बन सकता है. अचानक द्रव्य लाभ होगा. किसी व्यापारिक योजना में धन लाभ होगा.

वृषभ : आज आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा. घर में भोग विलास की सामग्री पर धन खर्च होगा. परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम पर जमा पूंजी अत्यधिक खर्च करने से पहले सोच विचार अवश्य करें. आपको धन की कमी खलती रहेगी. व्यापार में आय कम होने के योग हैं.

मिथुन : शत्रु पक्ष में विरोधी पक्ष की चूक अथवा गलती का फायदा धन लाभ के रूप में आपको होगा. बैंक सेवा से जुड़े लोगों को धन एवं उपहार प्राप्त होंगे. व्यापार में आपकी सूझबूझ के कारण हानि लाभ में बदल जाएगी. राजनीति में लाभ का पद मिलेगा.

कर्क : आज आर्थिक मामला में कोई भी निर्णय सोच विचार कर लें. भूमि संबंधी किसी महत्वपूर्ण कार्य की बाधा धन के माध्यम से दूर होगी. कार्य क्षेत्र में कोई अधीनस्थ लाभकारी सिद्ध होगा. विदेश से धन लाभ होगा. भोग विलास सामग्री पर खर्च करने से पूर्व सोच विचार अवश्य करें.

सिंह : आज उधार दिया गया धन वापस आएगा. आप अपना ऋण चुकाने में सफल होंगे. काफी समय से रुक हुआ धन मिलेगा. प्रेम प्रसंग में उपहार प्राप्त होंगे. व्यापार में धन लाभ होगा. शेयर लॉटरी आदि से एकाएक धन प्राप्त होगा. वाहन खरीदनेकी योजना सफल होगी.

कन्या : आर्थिक लेनदेन में मामलों में सतर्कता रखें. जहां तक संभव हो अधिक धन न लें. घर में भौतिक सुख साधनों की वस्तु पर खर्च होगा. वाहन आदि का कार्य कर सकते हैं. पूंजी निवेश आदि करने में सावधानी रखे. अनावश्यक धन खर्च सोने की संभावना है.

तुला : साझेदारी में कोई नया काम ना करें. आर्थिक रूप से धन हानि हो सकती है. व्यापारिक क्षेत्र में नए प्रयोग लाभकारी सिद्ध होंगे. कार्य क्षेत्र में किसी अधीनस्थ लाभ होगा. बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत लोगों का अपने बॉस के कारण लाभ होगा.

वृश्चिक : आज आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. किसी महत्वपूर्ण कार्य की बाधा दूर होने से रुका हुआ धन मिलेगा. बौद्धिक कार्य को करने वालों को विशेष सफलता मिलेगी. किसी पुराने मामले में कोर्ट कचहरी का निर्णय आपके पक्ष में आने से आर्थिक पक्ष सुधरेगा.

धनु : धन संपत्ति में वृद्धि होगी. नौकरी में अपेक्षित धन लाभ न होने से आर्थिक स्थिति कमजोर होगी. धन किसी अनजान व्यक्ति को न दें अन्यथा वह लेकर भाग जाएगा. व्यापार में पिता से सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा. प्रेम संबंध में कोई कीमती मंत्र उपाय मिलेगा.

मकर : आज आमदनी कम खर्च अधिक होगा. आर्थिक क्षेत्र में पुराने आय स्रोतों पर अधिक ध्यान देना पड़ेगा. परिश्रम के अनुपात में धन की आमदनी कम होगी. प्रेम संबंध में अत्यधिक धन व्यय होगा. नौकरी में कोई आपसी मतभेद होने से आपकी आय पर असर पड़ेगा. आज धन के लिए इधर से उधर भटकना पड़ेगा.

कुंभ : आज आर्थिक क्षेत्र में किए गए परिश्रम से सफलता प्राप्त होगी. पूर्व से रुका हुआ धन प्राप्त होगा. नवीन संपत्ति वाहन आदि खरीदने के योग बन सकते हैं. नवीन उद्योग धंधे में बड़ा पूंजी निवेश कर सकते हैं. भूमि संबंधी कार्य में लगे लोगों को अचानक धन लाभ हो सकता है. कार्यक्षेत्र में किसी साथी से धन एवं उपहार मिल सकते हैं. धन संपत्ति में वृद्धि होगी.

मीन : आज व्यापार में अच्छी आय होने के योग हैं. किसी नए व्यापारिक योजना की शुरुआत धन प्रदायक सिद्ध होगी. नौकरी में पदोन्नति संग वेतन वृद्धि होगी. प्रेम संबंध में धन, मान का लाभ मिलेगा. उधार वापस मिलेगा. विदेश से धन एवं उपहार प्राप्त होंगे. राजनीति में धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे.

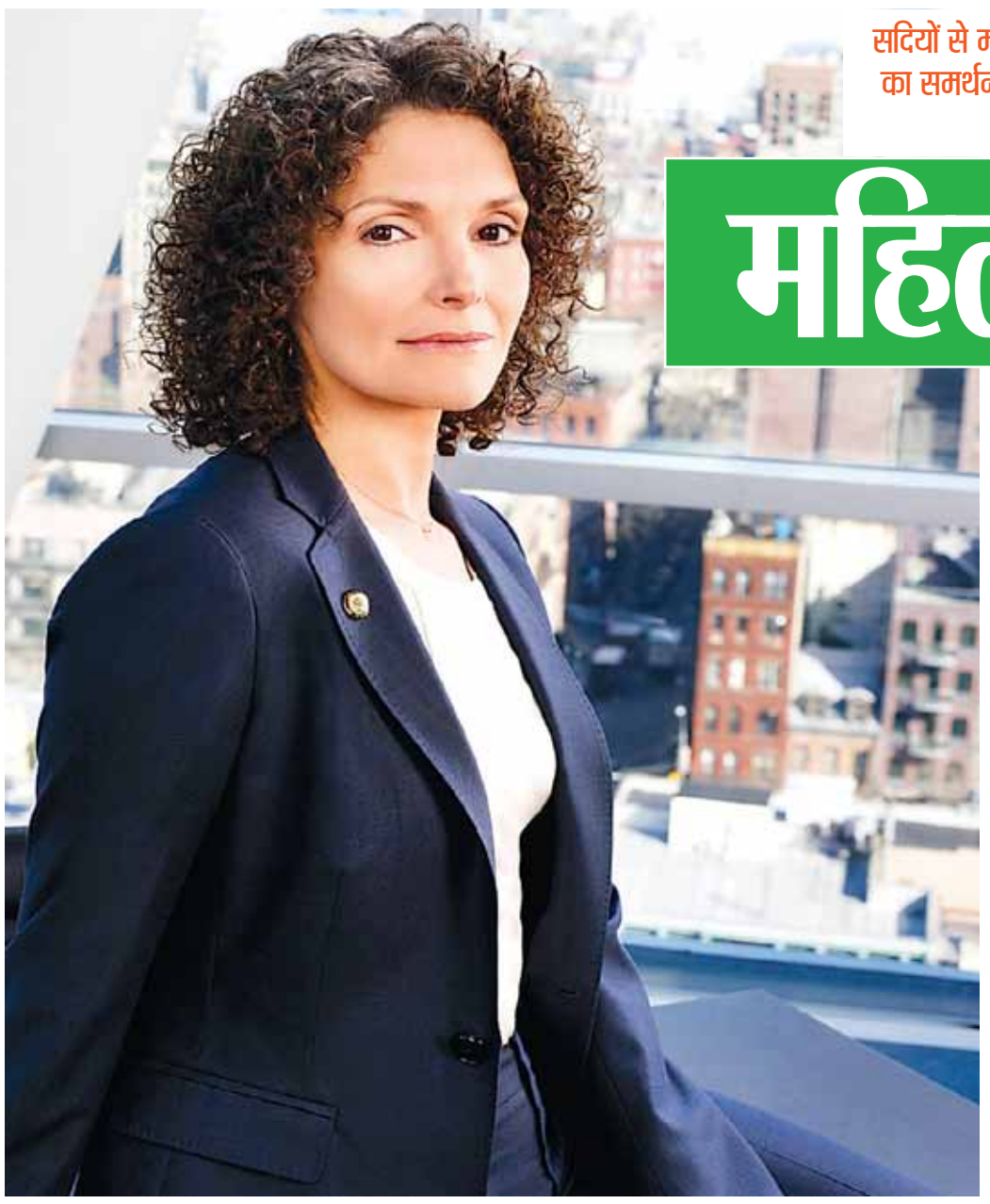

सदियों से महिलाओं की आलोचना होती आ रही है और उन्हें पुरूषवर्ग से कम समझा गया है। लेकिन पिछली कई सदी में महिला बास का समर्थन भी हुआ है। आपका प्रमोशन होता है और आपको महिला बास के आधीन काम करना पड़ता है। ऐसे में जब लोग आपको बधाइयां देते हैं तो आपको खुशी से ज़्यादा यह चिन्ता होती है कि आप महिला बास के आधीन कैसे काम करेंगे।

महिला बास: जरा बचे के?

महिला बास की महान स्थिति किसी ऐयाश पुरूष की तरह है जो कि अपने अनुसार एक हाट सेक्रेटरी रखता है या बहुत से मज़ाक का शिकार होता है। आइए यह जानने की कोशिश करें कि इस पुरानी सोच ने नया रूप कैसे लिया कि एक महिला बास का रूप सभी पुरूषों को डरा देता है। गुड़गांव के एम एन सी में काम करने वाली 26 वर्षीय अदिल चक्रवर्ती का कहना है कि मैंने पुरूष और महिला बास दोनों के साथ काम किया है, लेकिन महिला बास के साथ काम करने में ज़्यादा सावधानी बरतनी पड़ती है क्योंकि आपको पता नहीं होता कि वो क्या सोच रही हैं। अगर उनका काम उनके अनुसार नहीं हुआ तो आप अपने आपको किसी कटघरे में खड़ा महसूस करेंगे ।

क्या है वजह महिला बास के रूखेपन की

महिलाएं पुरूषों की तुलना में अधिक भावुक होती हैं और इसलिए उन्हें काम में और वास्तविक जीवन में सम्पर्क बनाने में समय लग जाता है । उन्हें यह समझाना थोड़ा मुश्किल होता है कि यह बिज़नेस है पर्सनल नहीं है। वो महिलाएं जो बोर्डरूम के बाहर बातें नहीं करतीं वो भी एक साथ खाना पसन्द करती हैं, लेकिन क्या आपने किसी पुरूष प्रतिद्वंदी को साथ में खाना खाते देखा है। पुरूष ज़्यादा काम्पटीटिव होते हैं और इसलिए वो लम्बे समय तक नहीं सोच पाते और अपने पुराने प्रतिद्वंदी पर विश्वास नहीं करते चाहे वो उसी टीम में हों। अच्छा तो यह है लिंग असहमति। लेकिन ऐसा देखा गया है कि पुरूषों की तुलना में महिलाएं एक ही समय में कई काम करने में सक्षम हैं और वो असानी से किसी भी समस्या का समाधान निकालने में समर्थ हैं।

महिला बास के व्यवहार पर पुरूषों की राय

कुछ पुरूष कर्मचारियों का मानना है कि वास्तव में महिलाएं पुरूषों की तुलना में अधिक कठोर होती हैं। कुछ पुरूष इस बात से असहमत हैं कि महिलाएं ऐसे मानक स्थापित कर रही हैं जो पुरूषों के लिए सम्भव नहीं है। बल्कि उनका मानना है कि महिलाएं कितना काम और कितने अच्छे से काम करती हैं इस बात से ज़्यादा यह बात महत्व रखती है कि वह अपने काम पर कितना ध्यान दे पाती हैं। एक पुरूष इस बात से सन्तुष्ट हो सकता है कि उसने बहुत ज़्यादा या समय पर काम किया है लेकिन एक महिला आपसे शिष्टाचार की भी उम्मीद करेगी। पब्लीशिंग हाउस के मार्केटिंग मैनेजर 32 वर्षीय रईज़ मिश्रा एक हास्यजनक घटना को याद करते हैं। उनकी महिला बास किसी भी प्रेज़ेंटेशन के दौरान अपनी नौकरानी से फोन पर बातें करती रहती थी कि उनके बच्चे को कैसे चुप करायें, कैसे सुलाए, कैसे खाना दे । हम सभी ने सोचा कि अब यह बहुत हो गया। वो प्रेज़ेंटेशन पर बिलकुल ध्यान नहीं देती थी और हमलोग अपनी प्रोडक्शन से बहुत नीचे जा चुके थे। इसके बाद भी वो 75 प्रतिशत हमारी गलतियां निकालती थीं।

क्या महिलाएं मल्टिटास्क हो सकती हैं।

क्या यह आदतें पुरूषों को डरा सकती हैं। सिन्हा ने दूसरी बात कही कि पुरूषों की तुलना में महिलाएं दोतरफा जीवन जीती हैं। घर पर वह पत्नी और मां होती हैं। काम पर आते समय उनके दिमाग में यह बातें होती हैं कि उनके बच्चे ने खाना खाया है या नहीं। नौकरानी ने रात के डिनर की तैयारी की है या नहीं। अगर घर पर काम करने की जगह कम हुई तो उन्हें प्रज़ेंटेशन का काम दो दिन में करना पड़ेगा। हर भूमिका में वो अपने जीवन के दूसरे पहलू पर ज़ोर देती है और दूसरी भूमिका के लिए ताकत जुटाती है। चाहे वह 21वीं सदी में रहने वाली भारतीय महिला हो उसे पुरूषों की तुलना में ज़्यादा मेहनत करनी पड़ती है। अगर महिला कोई टास्कमास्टर नहीं है तो उसे हर समय काम से निकाले जाने का डर रहता है।

झन्नाटेदार स्प्रिंग रोल

सामग्री

एक पाव मैदा, एक पाव आलू उबले व छिले हुए, तलने के लिए तेल, अदरक-लहसुन का पेस्ट 2 छोटे चम्मच, धनिया पावडर, अमचूर पावडर, मिर्च, नमक, थोड़ी-सी शक्कर, थोड़ी-सी खसखस सभी प्रकार के मसाले स्वादानुसार व नमक।

विधि

सबसे पहले मैदा में नमक व मोयन डाल कर गूंध लें। आलू में अदरक-लहसुन का पेस्ट, धनिया पावडर, अमचूर पावडर, मिर्च, नमक, थोड़ी-सी शक्कर, थोड़ी-सी खसखस मिला कर फ्राय करें। अब मैदे की छोटी-छोटी लोई बना कर उसे पूड़ी के आकार का बेल लें। इस पूड़ी में पानी लगा कर आलू की सब्जी डालें। अब इसी तरह का तीन लेयर बनाएं और उसे फोल्ड कर लें। इस तैयार फोल्ड को दो-तीन इंच में काट लें। इसे हाथ से दबा लें। हाथों से दबाने पर यह स्प्रिंग की तरह दिखता है। इस स्प्रिंग को डीप फ्राय कर लें। गरमा गरम स्प्रिंग रोल्स को हरी और मीठी इमली की चटनी के साथ परोसे।

फ्राय पनीर करी

सेहतबस एक मीठी चुस्की, टेंशन की करे छुट्टीसेहत के लिए शुभ नहीं है मनचाही सर्जरीएरोबिक्स करें, फिट रहेंवामाफैशन में इन अनारकली का अनूठा अंदाजगर्ल्स के गेजेट में पिंक कलर की बहारऑफिस में क्सा हो आपका ड्रेसअपरोमांसप्यार में इकरार और इजहार दोनों जरूरीसेक्स लाइफ में सजाएं प्यार के रंगकैसे जानें कि वह आपसे प्यार करता हैफ्राय पनीर करी

सामग्री

तेल तलने के लिए, घी-2 टेबल स्पून पकाने के लिए, पनीर 250 ग्राम बाजार से लाइए, छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर भूरा होने तक फ्राय कर लें फिर एक पेपर पर निकल कर रखें। काजू 2 टेबल स्पून और मूंगफली के दाने 2 टेबल स्पून- एक साथ में पिस लें। हरी मिर्च 2 बारीक कटी, जीरा-2 टी स्पून, अदरक- 1 इंच टुकड़ा पिसा हुआ, दही आधा कप, हरे धनिया के पत्ते, नमक स्वादानुसार, काली मिर्च, अमचूर पावडर, जीरावन, जीरा पावडर, सभी मसलों की आधा टी स्पून मात्रा साथ में मिला लें।

पकाने की विधि

एक भारी कड़ाई में घी गर्म करें। अब आंच मध्यम कर जीरा, कटी हरी मिर्च, पिसी अदरक डालें। तत्पश्चात पिसे काजू और मूंगफली के दानों का मिक्चर डाल कर फ्राय करें। जैसे ही मसाले का रंग भूरा होने लगे, दही को फेंट कर इस मिश्रण में डाल कर पकाएं। साथ ही सभी मसाले सिर्फ नमक छोड़ कर मिलाएं और लगातार हिलाते हुए तीन-चार मिनटों तक पकाएं। अब आवश्यकतानुसार पानी डालकर आंच धीमी कर पकाएं, साथ ही नमक भी मिला लें। दूसरी तरफ फ्राय पनीर को एक कांच के बर्तन में पानी डालकर तीन से चार मिनट तक माइक्रोवेव में गर्म करें (ऐसा करने से पनीर नरम पड़ जाता है और अतिरिक्त तेल भी निकल जाता है) फिर पानी छान लें। अब पनीर को ग्रेवी में मिलाएं। जब पनीर ग्रेवी में पकने लगे तो कुछ देर बाद हरा धनिया डालकर एक मिनट पका कर, गरमा-गरम फलाहारी चावलों के संग परोसें।

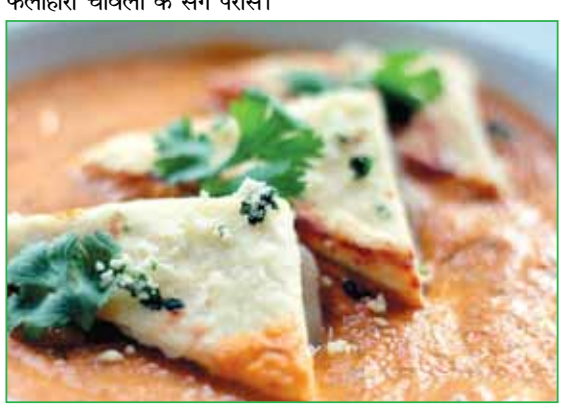

गुस्से पर काबू चाहिए तो कभी खुद के लिए भी निकालें समय

इस दुनिया में अगर आग से भी तेज कुछ है तो वो है क्रोध। गुस्सा हमें नहीं, हमारे व्यक्तित्व को जलाता है। एक क्षण के आवेग में आदमी वो कर जाता है, जिसके बाद सिर्फ पछतावे के अलावा कुछ नहीं बचता। क्रोध एक क्षण में हावी होता है और दूसरे पल ही खत्म भी हो जाता है लेकिन कभी-कभी क्षणभर का गुस्सा भी सारी जिंदगी पर भारी पड़ जाता है। आज के दौर में युवाओं के व्यक्तित्व में जो सबसे बड़ी कमी देखी जा रही है वो है सहनशीलता की। आइए इसके समाधान पर चलते हैं। दरअसल ये हमारे व्यक्तित्व की कमजोरी और समझ की कमी के कारण हो रहा है। आज हम दुनियाभर से संपर्क में हैं, सोशल नेटवर्किंग पर भी पूरा ध्यान दे रहे हैं। हर एक मित्र से हर पल पूरे संपर्क में हैं लेकिन एक खास व्यक्तित्व जिसके पास भी हमें थोड़ी देर बैठना चाहिए, उसी के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। वो व्यक्तित्व है आप खुद।

निजी संबंधों को निजी ही रहने दें

लाइफ हम जहां काम करते हैं, वहां माहौल मिलाजुला होता है। किसी से बहुत घनिष्ठता होती है तो किसी से हमेशा काम को लेकर विवाद जैसी स्थिति बनी रहती है। सबसे समान रिश्ते नहीं रहते। कार्य स्थल पर अगर किसी से भी विवाद हो तो उसका सीधा असर हमारी क्षमता और काम पर पड़ता है। तनाव हमारे काम में झलकता है, काम से हमारे व्यवहार में कब उतर जाता है, पता नहीं चलता। अगर ऑफिस में तनाव है, तो वहां के खटास भरे रिश्ते हमारे साथ घर तक पीछे आते हैं। सबसे हर समय एक सा व्यवहार और एक से रिश्ते की उम्मीद नहीं की जा सकती। लोग व्यवसायिक संबंधों में भी निजत्व खोजते हैं। निजी जिंदगी को निजी ही रहने दें। उसमें व्यवसायिक रिश्तों का मिलना ठीक नहीं है। व्यवसायिक रिश्तों में एक ही चीज हमेशा खटास लाती है। वो है अपेक्षा यानी एक्सपेक्टेशन। जब हम किसी के साथ कोई काम कर रहे होते हैं तो उसमें बहुत सी उम्मीदें रखना शुरू कर देते हैं। इससे दोनों के ही व्यक्तिगत जीवन में दखल पड़ता है और उसका बोझ काम पर स्पष्ट दिखाई देता है।

एक दूसरे के निजी जीवन और निजत्व का सम्मान करें। भागवत में भगवान कृष्ण ने इसका तरीका बताया है। आपके व्यवसायिक और निजी रिश्ते कैसे भिन्न हों, ये भागवत से सीखिए। ये रिश्तों और उनके भीतर के द्वंद्व का ग्रंथ है। कृष्ण और दुर्योधन समधी थे। कृष्ण के पुत्र सांब और दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा ने विवाह किया था। फिर भी इस रिश्ते को कृष्ण ने कभी अपने कर्मक्षेत्र में नहीं आने दिया। उन्होंने महाभारत युद्ध में दुर्योधन का साथ न देते हुए पांडवों का साथ दिया। क्योंकि पांडव धर्म की राह पर थे। दुर्योधन अधर्म के मार्ग पर चल रहा था। कृष्ण ने कभी भी अपने कर्तव्य के मार्ग में रिश्तों को बाधा नहीं बनने दिया। अपने प्रतिद्वंद्वियों के लिए भी उनके मन में पूरा सम्मान रहा। किसी भी रिश्ते की मर्यादा को नहीं तोड़ा गया। कर्म क्षेत्र में रिश्तों की मर्यादा ना टूटे यही बड़ी बात है और सफलता का सूत्र भी है।

खूबसूरती के लिए..

आज जहां बाज़ार में प्रतिदिन नए सौंदर्य प्रसाधन और नई तकनीक आ रही है, वहीं त्वचा से सम्बन्धी समस्याओं की सूची भी कुछ कम नहीं हैं। हम सभी चाहते हैं बेदाग और खिली-खिली त्वचा। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा हमेशा ऐसी ही दिखे तो इसके लिए आपको अपनी त्वचा का ख्याल रखना होगा। त्वचा में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का इलाज जितनी जल्दी हो करा लें, फिर चाहे आंखों के नीचे काले घेरे हों या स्ट्रैच मार्क।

उम्र के साथ झुर्रियों का पड़ना भी आम है, लेकिन अगर समय से पहले आपके चेहरे पर झुर्रियां पड़ रही हैं या आपका सौंदर्य प्रभावित हो रहा है तो इसे अस्वीकार करें और इसका समाधान निकालें। स्ट्रैच मार्क, आंखों के नीचे काले घेरे या एक्ने जैसी समस्या से हालांकि किसी प्रकार की पीड़ा नहीं होती ना ही यह खतरनाक होते हैं। लेकिन इनसे साइकालाजिकल समस्याएं भी हो सकती हैं क्योंकि इनसे होने वाले तनाव भी कुछ कम नहीं होते। आज ऐसी समस्याओं को स्वीकार कर लेना कोई समाधान नहीं बल्कि चिकित्सा के तरीके अपनाना अच्छा है। कार्बोक्सीथेरेपी जैसी नयी तकनीक से ऐसी समस्याओं का इलाज बहुत आसानी से सम्भव हो पाया है। अपनी त्वचा का ख्याल रख आप स्वस्थ त्वचा तो पा ही सकते हैं, साथ ही आकर्षण का पात्र भी बन सकते हैं।

दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल के कास्मेटिक सर्जन के अनुसार कार्बोक्सीथेरेपी स्ट्रैच मार्क, सेल्युलाइट और आंखों के नीचे काले घेरों से बचने का सरल और सस्ता उपाय है। इस चिकित्सा के दौरान त्वचा में कार्बनडाइआक्साइड का इंजेक्शन लगाया जाता है, जिससे नयी रक्त कोशिकायें बनती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि अगर इसे सेप्टिक तरीके से किया जाये तो इससे किसी भी प्रकार के अतिरिक्त प्रभाव नहीं होते। इस चिकित्सा में आने वाले एक सिटिंग का खर्च सिर्फ 3000 से 4000 रूपये तक का है। स्ट्रैच मार्क अकसर गर्भावस्था के बाद या किशोरावस्था के दौरान होते हैं और ऐसा त्वचा के खिंचाव के कारण होता है। कार्बोक्सीथेरेपी का प्रयोग सेल्युलाइट्स से बचाव के लिए भी किया जाता है। जहां पहले स्ट्रैच मार्कस हटाने के लिए लेज़र तकनीक का प्रयोग होता था, वहीं आज कार्बोक्सीथेरेपी जैसी नान सर्जिकल प्रक्रिया का प्रयोग हो रहा है जो कि बहुत सुरक्षित है। गृहणी रेशमा अपने 2 हफ्ते के बच्चे के साथ बहुत खुश हैं, लेकिन जब वो अपने शरीर पर पड़े स्ट्रैच मार्कस देखती हैं, तो वो दुखी हो जाती हैं। पाश्चात्य कपड़े पहनना उनका शौक है, लेकिन अब इन स्ट्रैच मार्कस को छिपाने के लिए उन्होंने पाश्चात्य कपड़े पहनना भी छोड़ दिया है। पिछले कई दिनों से वो अपने मित्रों से और इंटरनेट पर इस समस्या का समाधान ढूढने में लगी हैं, लेकिन वो अब तक सफल नहीं हो पाई हैं । हालांकि स्ट्रैच मार्क से उन्हें कोई समस्या नहीं, लेकिन उन्हें लगने लगा है कि उनका सौंदर्य खो रहा है। नई दिल्ली के न्यू लुक कास्मेटिक लेज़र क्लीनिक में कार्यरत वरिष्ठ कास्मेटिक सर्जन डा प्रीतम पंकज के अनुसार भारत में अधिकतर लोग सेल्युलाइट रिडक्शन और स्ट्रैच मार्क के इलाज के लिए कार्बोक्सीथेरेपी को पसंद कर रहे हैं। यह चिकित्सा बहुत ही सुरक्षित है और कम समय लेने वाली है इसलिए आफिस जाने वाले लोग भी आसानी से इसका लाभ उठा सकते है। इस चिकित्सा की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें किसी प्रकार का दर्द नहीं होता। सावधानी के तौर पर आपको सिटिंग के 4-5 घंटों बाद तक नहाना नहीं चाहिए और ना ही स्वीमिंग पूल में उतरना चाहिए। निशान, एक्ने और स्ट्रैच मार्क से बचने का यह एक आसान और कारगर उपाय है।

ईशान ने बताया , घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने का कारण

मुम्बई। पिछले साल हुए दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने अब रणजी ट्रॉफी के अलावा घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने का कारण बताया है। ईशान ने कहा, तब मैंने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला लिया था। इसलिए मुझे लगा कि यह सामान्य बात है। क्रिकेट बोर्ड का भी नियम है कि अगर कोई खिलाड़ी टीम में वापसी करना चाहता है तो उसे घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

उन्होंने साथ ही कहा, यह मेरे लिए इतना आसान भी नहीं था। इसका कारण है कि तब मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को छोड़कर ब्रेक लेने जा रहा था। ऐसे में कोई कैसे घरेलू क्रिकेट खेल सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक लेकर घरेलू क्रिकेट में मैच खेलने की बातअजीब है। इससे तो अच्छा ये होता कि मैं ब्रेक ही ना लेता और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ही खेलते रहता। ईशान ने आगे कहा, यह सारी बातें इतनी सहज नहीं थी, मेरे लिए बहुत ही निराशाजनक था। तब मैंने सोचा नहीं था कि हालात ऐसे होंगे। ईशान के घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण बीसीसीसी नाराज था और उसने उसे केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं दिया। इसके अलावा किसी भी सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं दी। ऐसे में ईशान के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बीसीसीआई ने सभी खिलाड़ियों को अपने अपने राज्य की टीम की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलने को कहा था। इसके बाद भी ईशान ना तो रणजी ट्रॉफी में खेलने उतरे और ना ही किसी और टूर्नामेंट में झारखंड की टीम के लिए खेलते नजर आए। इससे पहले ईशान ने एकदिवसीय में बांग्लादेश के खिलाफ दोहरा शतक लगाया था और उनका प्रदर्शन भी बेहतर होता जा रहा था। इसके बाद भी एक गलती के कारण वह टीम से बाहर हो गये।

भारतीय फुटबॉल टीम के कोच बनने की दौड़ में शामिल रोजारियो और नौशाद

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम को अब आने वाले समय में नया कोच मिल सकता है। इगोर स्टिमक को कोच पद से हटाये जाने के बाद से ही अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) नये कोच की तलाश कर रहा है। जिसके बाद उसे दुनिया भर से कई प्रस्ताव मिले हैं। इस पद के लिए मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के पूर्व कोच स्टेनली रोजारियो और नॉर्थईस्ट यूनाईटेड के मौजूदा सहायक कोच नौशाद मूसा ने भी आवेदन किया है। इस पद के लिए 100 आवेदनकर्ता यूएफा प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है। तीन के पास दक्षिण अमेरिका फुटबॉल परिसंघ (कोनमेबोल) लाइसेंस है। रोजारियो और मूसा एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं।

इसके अलावा मोहन बागान सुपर जाइंट्स को 2023-24 आईएसएल लीग शील्ड जिताने में सहायता करने वाले एंटोनियो लोपेज हबास ने भी आवेदन किया है। एक अधिकारी के अनुसार रोजारियो और मूसा उन भारतीयों में शामिल हैं जिन्होंने आवेदन किया है और वे एएफसी प्रो लाइसेंस धारक भी हैं। इसके अलावा एंटोनियो हबास ने भी आवेदन किया है। प्रस्तावों में शामिल भारतीय उम्मीदवारों के नाम 20 जुलाई को एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठक में रखे जाएंगे। इससे पहले एआईएफएफ उपाध्यक्ष एनए हैरिस की अगुआई वाली समिति आवेदनों की समीक्षा करेगी। समिति में तकनीकी, लीग, प्रतियोगिता, वित्त और विकास समिति के अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष भी शामिल होगा। एआईएफएफ ने कहा है कि इस महीने के अंत तक पुरुष टीम के नए कोच का नाम तय कर दिया जाएगा।

कोच के तौर पर बेहतर परिणाम देने के पूरे प्रयास करुंगा : गंभीर

मुम्बई। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच बने गौतम गंभीर ने कहा है कि वह टीम के लिए बेहतर परिणाम देने अपनी ओर से पूरे प्रयास करेंगे। गंभीर को राहुल द्रविड़ की जगह टीम का नया मुख्य कोच बनाया गया है। गंभीर ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि भारत मेरी पहचान है और अपने देश की सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मैं टीम के साथ जुड़कर सम्मानित अनुभव कर रहा हूं, भले ही अब में खिलाड़ी की जगह पर कोच की भूमिका में हूं पर मेरा लक्ष्य हमेशा की तरह ही वही है, हर भारतीय को गर्व का अनुभव कराना है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम एक अरब 40 करोड़ लोगों की उम्मीदें लेकर चल रही है और मेरा प्रयास इसे पूरा करना रहेगा। गौरतलब है कि गंभीर काफी सख्त प्रकार के कोच माने जाते हैं। अब देखना होगा कि टीम के मुख्य कोच की भूमिका में वह कितने सफल होते हैं। गंभीर ने टीम में रहते हुए वीरेंद्र सहवाग के साथ मिलकर सलामी जोड़ीदार के तौर पर काम किया है। वह अपने आक्रामक व्यक्तित्व के लिए भी जाने जाते हैं। इसी कारण वह कई बार विवादों में भी रहे हैं। उनके कोच

रहते हुए आईपीएल में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) दो बार चैंपियन बनी थी। इससे उन्होंने साबित कर दिया कि वह एक कुशल रणनीतिकार भी हैं। इस साल आईपीएल में वह केकेआर के मेंटर भी बने थे और उनके मार्गदर्शन में टीम तीसरी बार खिताब जीतने में सफल रही थी। प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइटराइडर्स ने उनकी कप्तानी में ही साल 2012 और 2014 में खिताब भी जीता था। उन्हें आईपीएल में सबसे अधिक 11 करोड़ रुपए से भी अधिक कीमत में खरीदा गया था।

द्रविड़ ने अतिरिक्त बोनस लेने से इंकार किया, बाकि कोचिंग स्टाफ जितनी राशि ही लेंगे

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर और भारतीय टीम के मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ सही मायनों में एक जेंटलमैन हैं। क्रिकेटर के अलावा मुख्य कोच के तौर पर भी वह अपने काम में पूरी तरह से समर्पित रहें हैं। अपनी सादगी और विनम्रता के लिए वह जाने जाते हैं। सफलता का श्रेय स्वयं न लेकर दूसरों को देना उनकी आदत रही है। अब मुख्य कोच पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने अपने व्यवहार से यही बात साबित की है। द्रविड़ ने कोच पद छोड़ते ही अतिरिक्त बोनस लेने से मना कर दिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्वकप विजेता टीम को 125 करोड़ रुपए का इनाम दिया है। यह इनामी राशि खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के 42 सदस्यों के

बीच बंटेगी। 125 करोड़ रुपए में से टीम के सभी 15 सदस्यों और कोच राहुल द्रविड़ को 5-5 करोड़ मिलने थे और कोचिंग स्टाफ के बाकी सदस्यों को 2.5-2.5 करोड़ रुपए मिलने थे। ऐसे में द्रविड़ ने अतिरिकत बोनस लेने से मना कर दिया है। द्रविड़ ने कहा है कि कोचिंग स्टाफ के बराबर ही इनामी राशि की उन्हें दी जाये। द्रविड़ का कहना है कि उन्हें बाकि स्टाफ की तरह ही 2.5 करोड़ रुपये ही दिये जाये।

जेसविन और अंकिता अब पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे

नई दिल्ली। एथलीट जेसविन एल्ड्रिन और अंकिता ध्यानी अब पेरिस ओलंपिक में भाग लेते हुए नजर आयेंगे। जेसविन को पुरुषों की लंबी कूद और अंकिता को महिला वर्ग में पांच हजार मीटर दौड़ में विश्व रैंकिंग में जगह मिलने के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम में जगह मिल गयी है। इन दोनों एथलीटों के टीम में शामिल होने के साथ ही पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम के सदस्यों की संख्या बढ़कर अब 30 पहुंच गयी है। विश्व एथलेटिक्स ने भी इन दोनो को शामिल किये जाने की पुष्टि की है। एल्ड्रिन को पुरुषों की लंबी कूद में 31 वां स्थान मिला है। उन्हें शीर्ष 32 एथलीटों में

जगह मिलने के कारण ही पेरिस के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। दूसरी ओर महिलाओं की पांच हजार मीटर में अंकिता को 42 वां स्थान मिला, ये इस स्पर्धा में कटऑफ रैंक के अंदर है। अंकिता ग्रीष्मकालीन खेलों में 29वें स्थान पर रहीं थीं। अब वह पारुल चौधरी के साथ पांच हजार मीटर की दौड़ में शामिल रहेंगी। अंकिता ध्यानी का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 15:28.08 है जो उन्होंने इस साल की शुरुआत में कैलिफोर्निया में ट्रैक फेस्ट में हासिल किया था।

व्यापार

कमजोरी के साथ खुले शेयर बाजार

सेंसेक्स 100 अंक गिरा, निफ्टी 24,400 के पार

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार की बुधवार को गिरावट के साथ शुरुआत हुई। निफ्टी50 और सेंसेक्स लाल निशान में कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 72 अंक गिरकर 80,280.22 पर और निफ्टी50 13 अंक गिरकर 24,420.30 पर आ गया। बीएसई पर मारुति और अदाणी पोर्ट्स शीर्ष लाभ वाले स्टॉक्स रहे, जबकि कोटक महिंद्रा बैंक और एमएंडएम शीर्ष हानि वाले स्टॉक्स रहे। इसी तरह एनएसई पर अदाणी पोर्ट्स और हिंडाल्को शीर्ष लाभ वाले स्टॉक्स की लिस्ट में शामिल हुए, जबकि इन्फोसिस और इंडसइंड बैंक शीर्ष हानि वाले स्टॉक्स बने।वहीं भारतीय शेयर बाजार में लगातार दो दिन की सुस्ती के बाद मंगलवार को एक बार फिर से तेजी लौट आई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 391.26 अंक की बढ़त के साथ 80,351.64 अंक के नए उच्च स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 112.65 अंक की बढ़त देखी गई। निफ्टी दिन के अंत में 24,433.20 अंक के नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। वहीं एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में गिरावट देखी

गई क्योंकि निवेशक जापान के मुद्रास्फीति डेटा और चीन के सीपीआई आंकड़ों पर नजर रख रहे थे। जापान का निक्केई 0.12 फीसदी उछला और साउथ कोरिया का कोस्पी 0.22 फीसदी गिरावट के साथ कारोबार करता दिखा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के एएसएक्स 200 में 0.49 फीसदी की गिरावट देखी गई। अमेरिका में बाजार में मिली-जुली स्थिति देखी गई। एसएंडपी 500 ने 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ एक और रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल की, जबकि टेक स्टॉक्स से प्रेरित नेस्डेक नेस्डेक में 0.14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.13 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली।

रुपया डॉलर के मुकाबले 83.49 पर स्थिर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के दौरान रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.49 पर स्थिर रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.49 पर सपाट शुरुआत की। इसके बाद 83.49 से 83.50 प्रति डॉलर के बीच सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.49 पर बंद हुआ था।

इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.09 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84.44 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में मंगलवार को लिवाल रहे और 314.46 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर खरीदे।

सोना और चांदी खरीदना हुआ महंगा

सोना 72,550 और चांदी लगभग 93,200 रुपए

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा कारोबार में बुधवार को तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,550 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 132 रुपये की तेजी के साथ 72,530 रुपये के भाव पर खुला। इसके बाद यह 157 रुपये की तेजी के साथ 72,555 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 104 रुपये की तेजी के साथ 93,073 रुपये पर खुला। जो कुछ समय बाद 217 रुपये की तेजी के साथ

93,186 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,371 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,367.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 7.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,375 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.08 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.05 डॉलर था। इस समय यह 0.15 डॉलर की तेजी के साथ 31.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मर्सडिज-बैंज ने रिकॉर्ड 9,262 इकाइयां बेचीं

नई दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सडिज-बैंज की 2024 की पहली छमाही में भारत में बिक्री 9 प्रतिशत बढ़कर 9,262 इकाई हो गई। यह वृद्धि विभिन्न श्रेणियों में मजबूत मांग और बड़ी संख्या में मॉडलों की उपलब्धता के दम पर दर्ज की गई। कंपनी के अनुसार यह देश में उसकी अभी तक की सबसे अधिक बिक्री वाली छमाही रही। उसने 2023 की जनवरी-जून में 8,528 इकाइयों की बिक्री की थी। मर्सडिज-बैंज इंडिया ने कहा कि उसकी योजना 2024 की दूसरी छमाही में छह नए उत्पाद पेश करने की है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के कर्मचारी करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

सियोल। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के श्रम संघ से जुड़े कर्मचारियों ने बुधवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की। दक्षिण कोरिया की सबसे बड़ी कंपनी के ये कर्मचारी उच्च वेतन और अन्य लाभों की मांग कर रहे हैं। नेशनल सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स यूनियन के हजारों सदस्यों ने सोमवार को अस्थायी तीन दिवसीय हड़ताल शुरू की थी। यूनियन ने बुधवार को कहा कि वह अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर रही है, उसने प्रबंधन पर बातचीत को लेकर अनिच्छुक होने का आरोप लगाया है। यूनियन बयान में कहा गया है कि हम अपनी जीत को लेकर आश्वासित हैं। इस बीच सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि हड़ताल

उत्पादन में कोई बाधा नहीं आएगी और वे बातचीत को तैयार हैं। सैमसंग के एक बयान में कहा गया कि सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स यह सुनिश्चित करेगा कि उत्पादन श्रृंखला में कोई व्यवधान न हो। यूनियन के साथ सदभावपूर्ण वार्ता के लिए कंपनी प्रतिबद्ध है।

बॉक्स ऑफिस पर किल की कमाई की रफ्तार धीमी

तीसरे दिन खाते में आए 2.8 करोड़ रुपये

निखिल नागेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म किल को बीते शुक्रवार यानी 5 जुलाई को रिलीज किया गया था। हालांकि, यह लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई है।लक्ष्य लालवानी ने इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। राघव जुयाल भी इस फिल्म में अहम भूमिका में हैं।किल बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी और अब फिल्म के तीसरे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, किल ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 2.8 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 6.2 करोड़ रुपये हो गया है।किल ने 1.25 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।दूसरे दिन (शनिवार) इस फिल्म की दैनिक कमाई में मामूली इजाफा देखने को मिला और यह 2.15 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। किल के निर्माता करण जौहर हैं। करण ने इस फिल्म का निर्माण गुनीत मोंगा के साथ मिलकर किया है।फिल्म में लक्ष्य की जोड़ी पहली बार तान्या मानिकतला के साथ बनी है। आशीष विद्यार्थी भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था, जहां इसने खूब वाहवाही लूटी।ब्लॉकबस्टर फिल्म सीरीज जॉन विक के निर्देशक पहले ही इस फिल्म के हॉलीवुड रीमेक का ऐलान कर चुके हैं।

वेब सीरीज मिक्सचर में नजर आएंगी अनुष्का रंजन

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का रंजन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में हैं, बताया जा रहा है कि वह हनीश कालिया के निर्देशन में बनी एक्शन थ्रिलर सीरीज मिक्सचर में अहाना कुमरा के साथ नजर आएंगी। अहाना कुमरा द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर, सलाम वेंकी, लिपस्टिक अंडर माई बुर्का और खुदा हाफिज जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। मिक्सचर एक मनोरंजक सीरीज है, जिसमें अपराध और रहस्य की दुनिया है। सीरीज का हिस्सा बनने पर अनुष्का रंजन ने कहा, मैं मिक्सचर के कलाकारों के साथ काम करके और इस एक्शन थ्रिलर में शामिल होकर बेहद एक्साइटेड हूं। इस प्रोजेक्ट ने अपनी कहानी और किरदारों के जरिए मुझे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अनुष्का ने कहा: कहानी में आए उतार-चढ़ाव ने मुझे लगातार बांधे रखा। गोवा और मुंबई के शूटिंग एक्सपीरियंस ने रोमांच को बढ़ा दिया। मैं दर्शकों के साथ इस सफर को साझा करने के लिए बेताब हूं और ऐसी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने के अवसर के लिए आभारी हूं। पिनाका एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित मिक्सचर इस साल के आखिर में रिलीज होगी। इसकी शूटिंग गोवा के खूबसूरत लोकेशन्स और मुंबई की व्यस्त सड़कों पर हुई है, जो दर्शकों के लिए रोमांचक एक्सपीरियंस होगा। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो, अनुष्का रंजन का जन्म मुंबई में 1 अक्टूबर 1990 को हुआ। उनके पिता एक्टर व डायरेक्टर शशि रंजन हैं। उन्होंने व्हिसलिंग वुड्स से 2 साल का एक्टिंग डिप्लोमा किया और फिर कई सालों तक नादिरा बब्बर के थिएटर ग्रुप में भी काम किया। अनुष्का ने गुरुजी वीरू कृष्णा से कथक की ट्रेनिंग ली, वह एक ट्रेंड कथक डांसर हैं। उन्होंने 2015 में फिल्म वेडिंग पुलाव से डेब्यू किया। इसके बाद वह बत्ती गुल मीटर चालू में नजर आईं। इसके अलावा, उन्होंने वेब सीरीज फितरत में काम किया।

वाइल्ड वाइल्ड पंजाब का गाना मेरी बग्गी मेरा घोड़ा जारी

10 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर होगी प्रीमियर

पिछले कुछ दिनों से अभिनेता वरुण शर्मा अपनी आगामी फिल्म वाइल्ड वाइल्ड पंजाब को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान सिमर प्रीत सिंह ने संभाली है।वरुण के अलावा इस फिल्म में सनी सिंह, मनजोत और जस्सी गिल जैसे सितारे भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।अब निर्माताओं ने वाइल्ड वाइल्ड पंजाब का गाना मेरी बगी मेरा घोड़ा जारी कर दिया है, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।इस गाने को बाली ने आवाज दी है। वाइल्ड वाइल्ड पंजाब सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिल्म का प्रीमियर 10 जुलाई, 2024 से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है।भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं। पत्रलेखा और इशिता राज जैसी अभिनेत्रियां भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। अभिनेता वरुण शर्मा, खन्ने का किरदार अदा कर रहे हैं, जिसका ब्रेकअप हो चुका है। फिल्म नशे में धुत लड़कों की कहानी है, जो अपने दोस्त के ब्रेकअप का बदला लेने की ठानते हैं। इसके लिए वो उसकी पूर्व प्रेमिका की शादी में खलल डालने का फैसला करते हैं, लेकिन उनकी यह योजना पंजाब जाने के बाद एक अप्रत्याशित रोमांचक यात्रा में बदल जाती है। गुलशन कुमार और भूषण कुमार द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे इस फिल्म का निर्माण , वाइल्ड वाइल्ड पंजाब का निर्माण लव फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है।वरुण को आखिरी बार फिल्म तेरा क्या होगा लवली में देखा गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।अब दर्शक उनकी आगामी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं।

सारिपोधा सानिवारम के फर्स्ट लुक में पुलिस किरदार में दिखीं प्रियंका मोहन

नानी अभिनीत अपकमिंग फिल्म सारिपोधा सानिवारम से एक्ट्रेस प्रियंका मोहन का फर्स्ट लुक सामने आया है। तस्वीर में वह एक पुलिस अधिकारी के रूप में एक बैग पकड़े आसमान की ओर देखती दिखाई दे रही हैं। फिल्म में एक्ट्रेस चारू की भूमिका निभा रही हैं। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का पहला लुक शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सूर्या सैटरडे से चारुलता के रूप में प्रियंका मोहन ऑफिशियल का परिचय, वह सीधे आपके दिलों तक रिपोर्ट करने के मिशन पर हैं। हाल ही में फिल्म का पहला सिंगल गरम गरम भी रिलीज किया गया, जिसे काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। निर्माताओं ने फिल्म से नानी का लेटेस्ट लुक भी जारी किया था, जिसमें उनके किरदार का एक अलग पक्ष दिखाया गया था। नए पोस्टर में नानी को ज्यादा शांत और संयमित दिखाया गया है, जो उनके किरदार के शांत पक्ष को दिखाता है। डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, सारिपोधा सानिवारम विवेक अथरेया द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म में एसजे सूर्या और साई कुमार पी भी हैं। यह फिल्म 29 अगस्त, 2024 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में सिनेमाघरों में आने वाली है।

ब्लैक आउटफिट में प्रज्ञा जैसवाल ने दिखाईं सिजलिंग अदाएं

फोटोज ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

साउथ की खूबसूरत एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही खूबसूरत सी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर फैंस उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही शानदार फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो अपने कातिलाना अंदाज से लोगों के बीच कहर बरपा रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थकते हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने ब्लैक कलर का रिवीलिंग लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए नजर आ रही हैं। गले में नेकलेस, खुले बाल, मिनिमल मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया लवर हैं और आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपने कातिलाना हुस्न का दीदार करवाती रहती हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। उन्हें 2.5 मिलियन यूजर्स इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं।

विजय सेतुपति स्टारर महाराजा का 12 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर होगा प्रीमियर, हिंदी में भी देख सकेंगे

साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति की बहुप्रतीक्षित फिल्म महाराजा 12 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है. निर्माताओं ने आज फिल्म का धमाकेदार पोस्टर जारी किया है, जिसमें विजय सेतुपति खून से लतपथ कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं, उनके पीछे पुलिस वाले खड़े हैं. यह पोस्टर फिल्म की कहानी और उसमें छिपे रहस्यों की एक झलक दिखाता है. महाराजा एक तमिल भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे पोंगल के मौके पर 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया गया था. फिल्म में विजय सेतुपति एक ऐसे शख्स की भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी लक्ष्मी चोरी हो जाती है. इस घटना के बाद कई चौंकाने वाले राज़ सामने आते हैं और महाराजा उन रहस्यों को सुलझाने और चीजों को ठीक करने के लिए हर हद तक जाने को तैयार है. यह फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी. फिल्म के निर्माताओं का मानना है कि यह फिल्म विभिन्न भाषाओं के दर्शकों को पसंद आएगी और यह नेटफ्लिक्स पर एक बड़ी सफलता हासिल करेगी. फिल्म में विजय सेतुपति एक नाई की भूमिका में दिखे हैं. जिसकी पूरी दुनिया उसका बच्चा है. घर में एक दिन डकैती पडड़ जाती है और वह बदला लेने के लिए निकलता है. वह पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत करता है कि तीन लोगों ने उसपर हमला किया है और उसकी बेटी के बचाने वाली लक्ष्मी की चोरी हो गई है. अब ये लक्ष्मी क्या है ये जानने के लिए फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने का इंतजार करें.

बॉक्स ऑफिस पर शरवरी वाघ की फिल्म मुंज्या ने भारत में पार किया 100 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा

मोना सिंह, शरवरी वाघ और अभय वर्मा की फिल्म मुंज्या को सिनेमाघरों में रिलीज का पांचवां सप्ताह चल रहा और यह दर्शकों के बीच अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।कल्कि 2898 एडी के तूफान के आगे फिल्म अब भी टिकी हुई है, लेकिन वक्त के साथ इसकी रफ्तार धीमी हो चुकी है।हालांकि, 31वें दिन मुंज्या की कमाई में इजाफा देखने को मिला और अब इस फिल्म ने भारत में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंज्या ने अपनी रिलीज के 31वें दिन यानी पांचवें रविवार को 1.05 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 104.31 करोड़ रुपये हो गया है।दुनियाभर में मुंज्या ने 120 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।हॉरर के साथ कॉमेडी के तड़के से

भरपूर इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजान ने किया है। आदित्य सरपोतदार ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। बॉक्स ऑफिस पर मुंज्या का सामना कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन से हो रहा है।यह फिल्म 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर इसका दैनिक कारोबार 60 करोड़ रुपये की ओर है।इसके अलावा प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन जैसे सितारों से सजी फिल्म कल्कि 2898 एडी भी सिनेमाघरों में लगी हुई है।नाम अश्विन निर्देशत फिल्म की कहानी महाभारत काल से शुरू होकर कलयुग के अंत तक जाती है।